

# अध्याय 2 – विलयन

किसी गैस का वाष्प अवस्था में आंशिक दाब, उस विलयन में गैस के मोल अंश का समानुपाती होता है।  

$$p = K_m \cdot x$$

सामान्य मोलर द्रव्यमान = वांट हाफ गुणक  
 असामान्य मोलर द्रव्यमान

- परसरण दाब  $\rightarrow \pi = CRT$
- हिमांक का अवनमन  $\rightarrow \Delta T_f = \frac{K_f \times W_2 \times 1000}{M_2 \times W_1}$
- क्वथनांक का उन्नयन  $\rightarrow \Delta T_b = \frac{K_b \times 1000 \times W_2}{M_2 \times W_1}$
- वाष्पदाब का आपेक्षिक अवनमन  $\rightarrow \frac{W_2 \times M_1}{M_2 \times W_1} = \frac{P^* - P_1}{P^*}$

न्यूनतम क्वथनांक की स्थिरकवाची अत्यधिक  $\Delta V_{fusion} =$  घनात्मक  
 $\Delta H_{fusion} =$  घनात्मक

आदर्श विलयन  $\rightarrow$  (n- हेक्सेन एवं n- हेप्टेन)

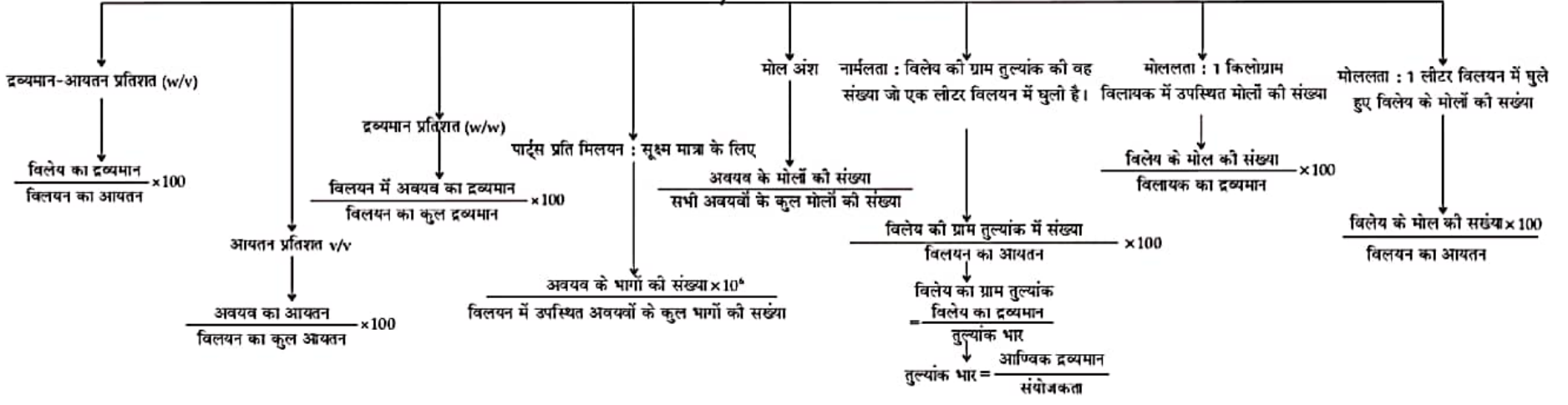
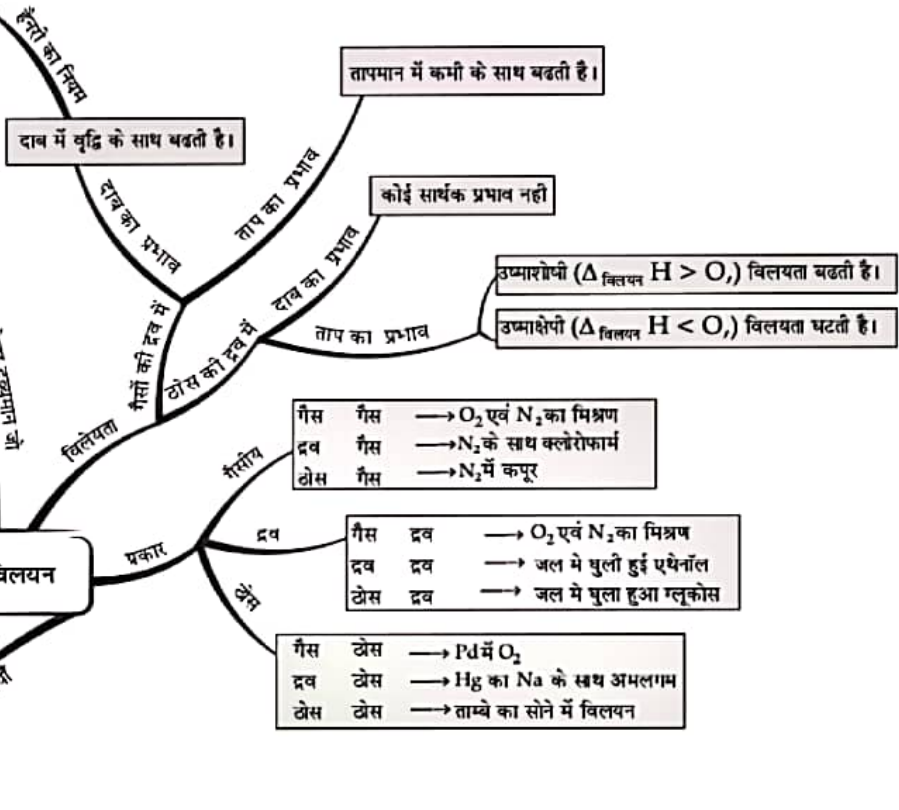
$\Delta H_{fusion} =$  ऋणात्मक  
 $\Delta V_{fusion} =$  ऋणात्मक

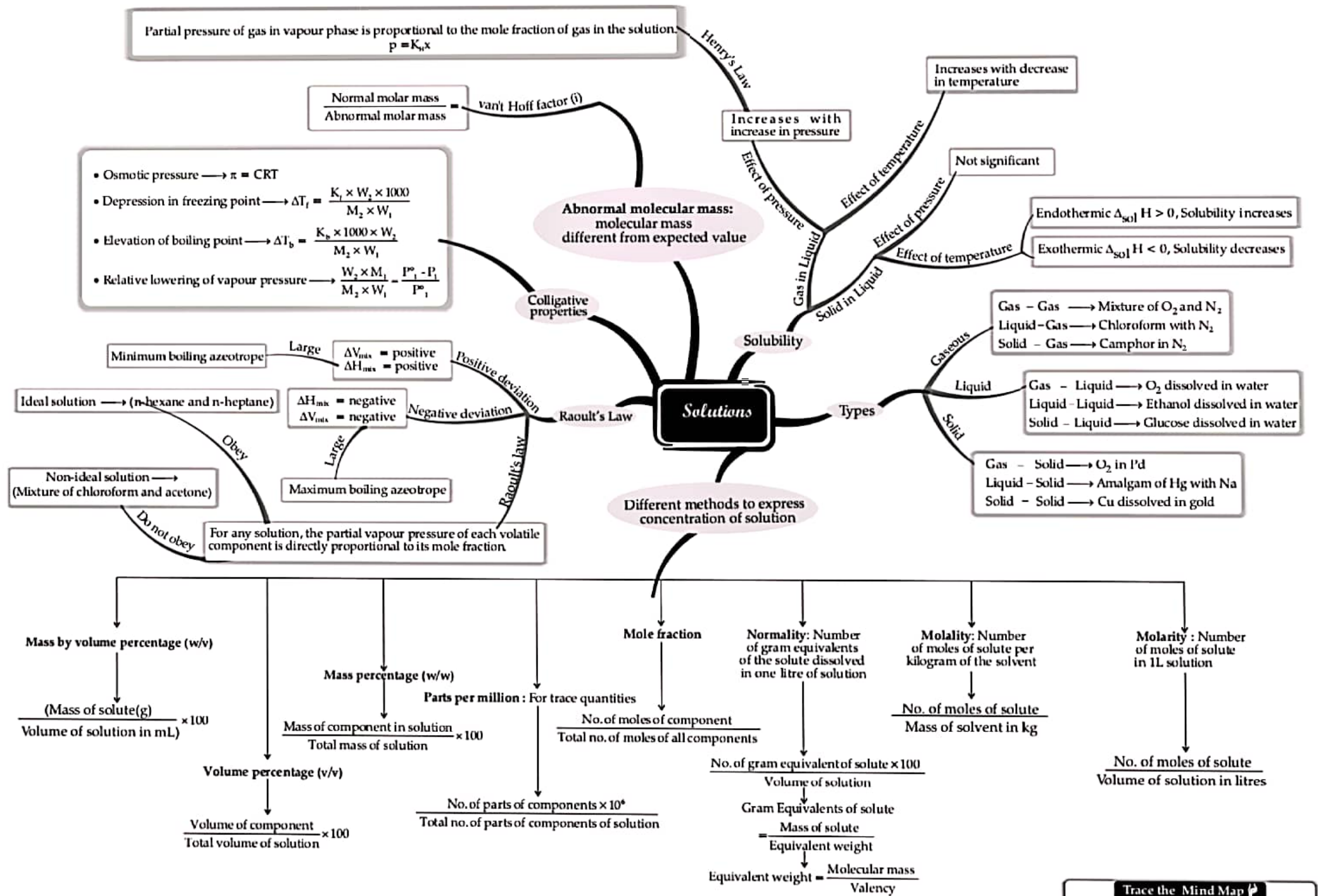
अनादर्श विलयन  $\rightarrow$  (क्लोरोफार्म तथा एसेटोन का मिश्रण)

अधिकतम क्वथनांक की स्थिरकवाची अत्यधिक

किसी विलयन के प्रत्येक वाष्पशील अवयव का आंशिक वाष्पदाब इसको मोल अंश का समानुपाती होता है।

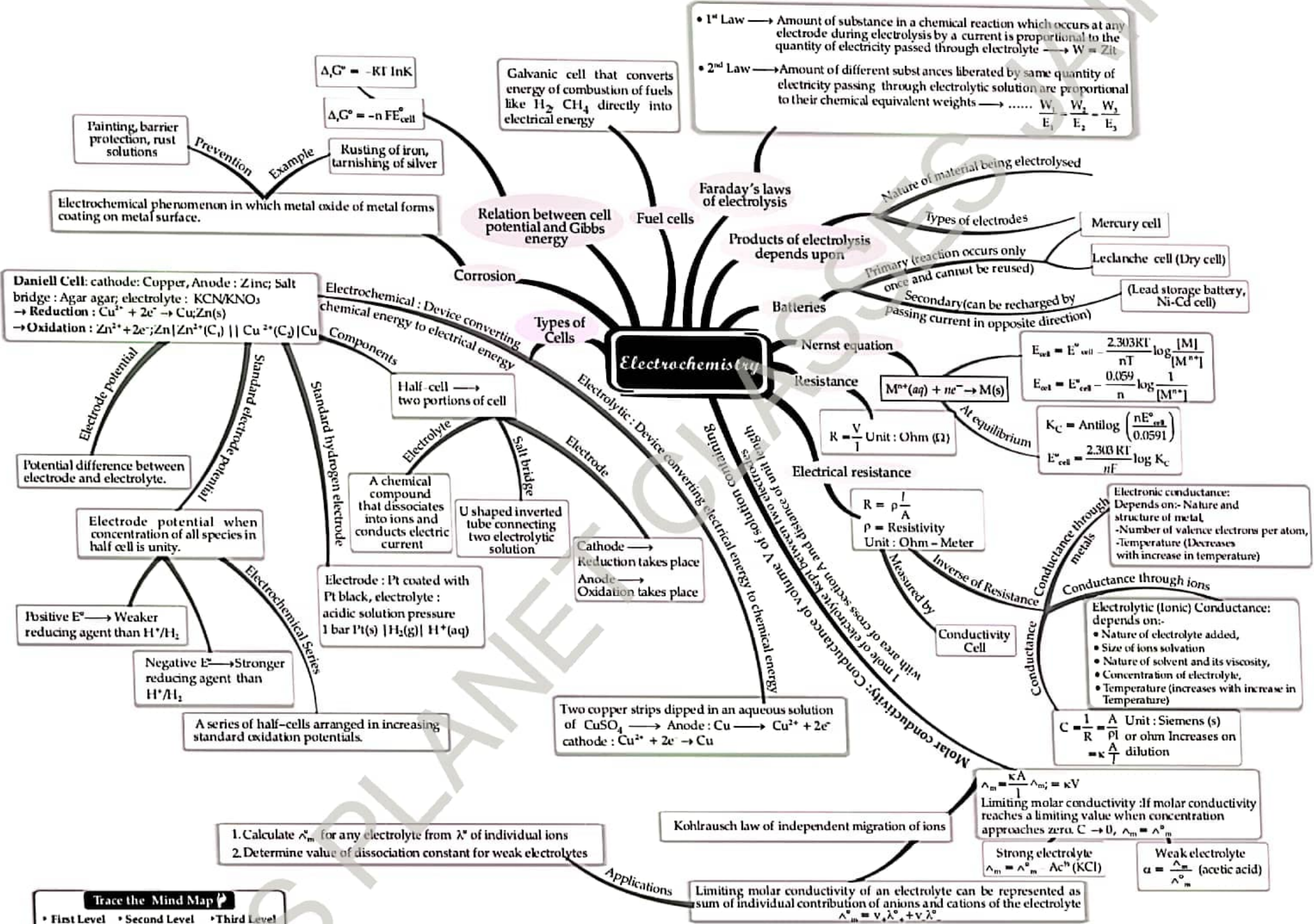
## विलयन







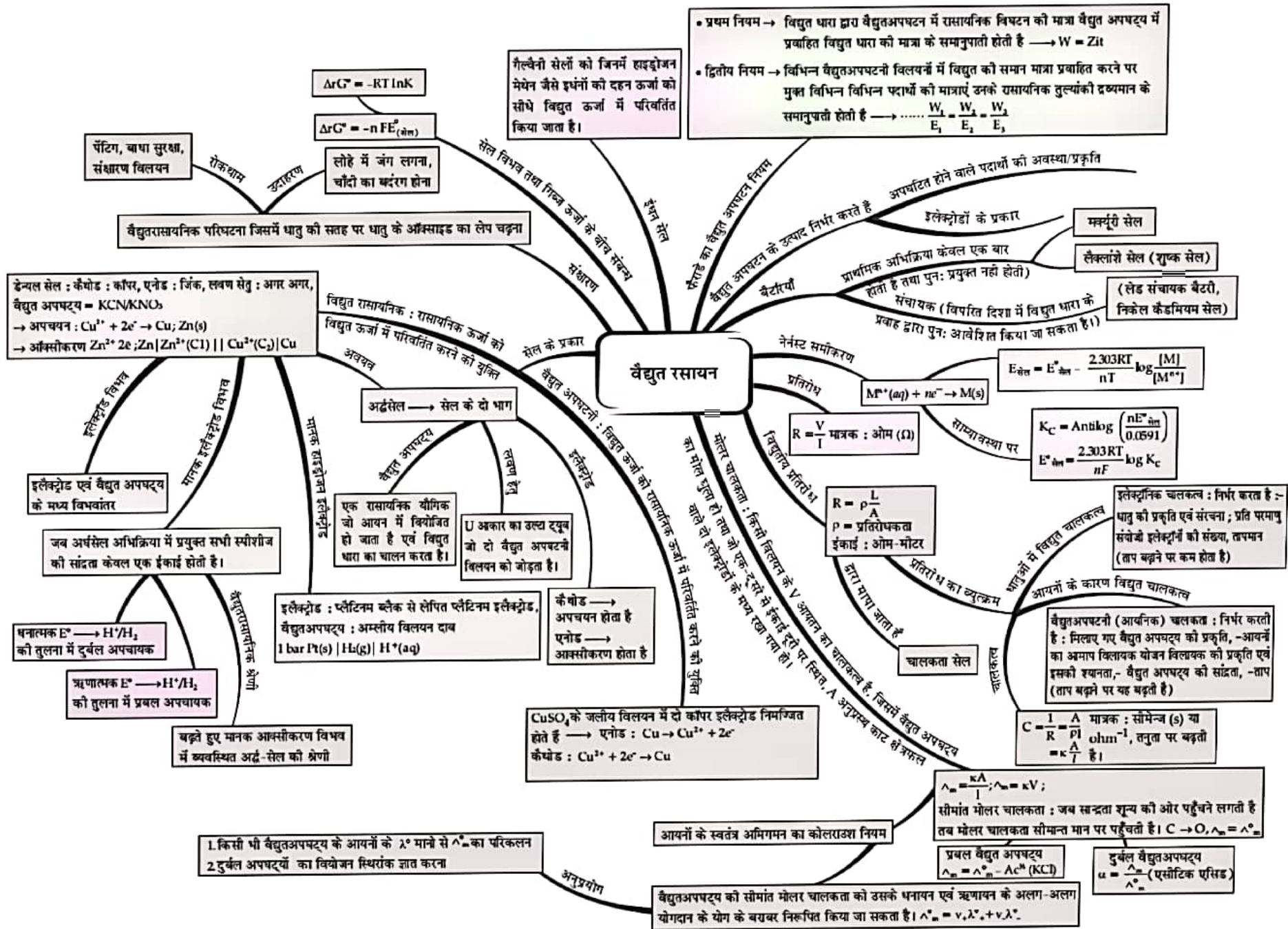
# Electrochemistry

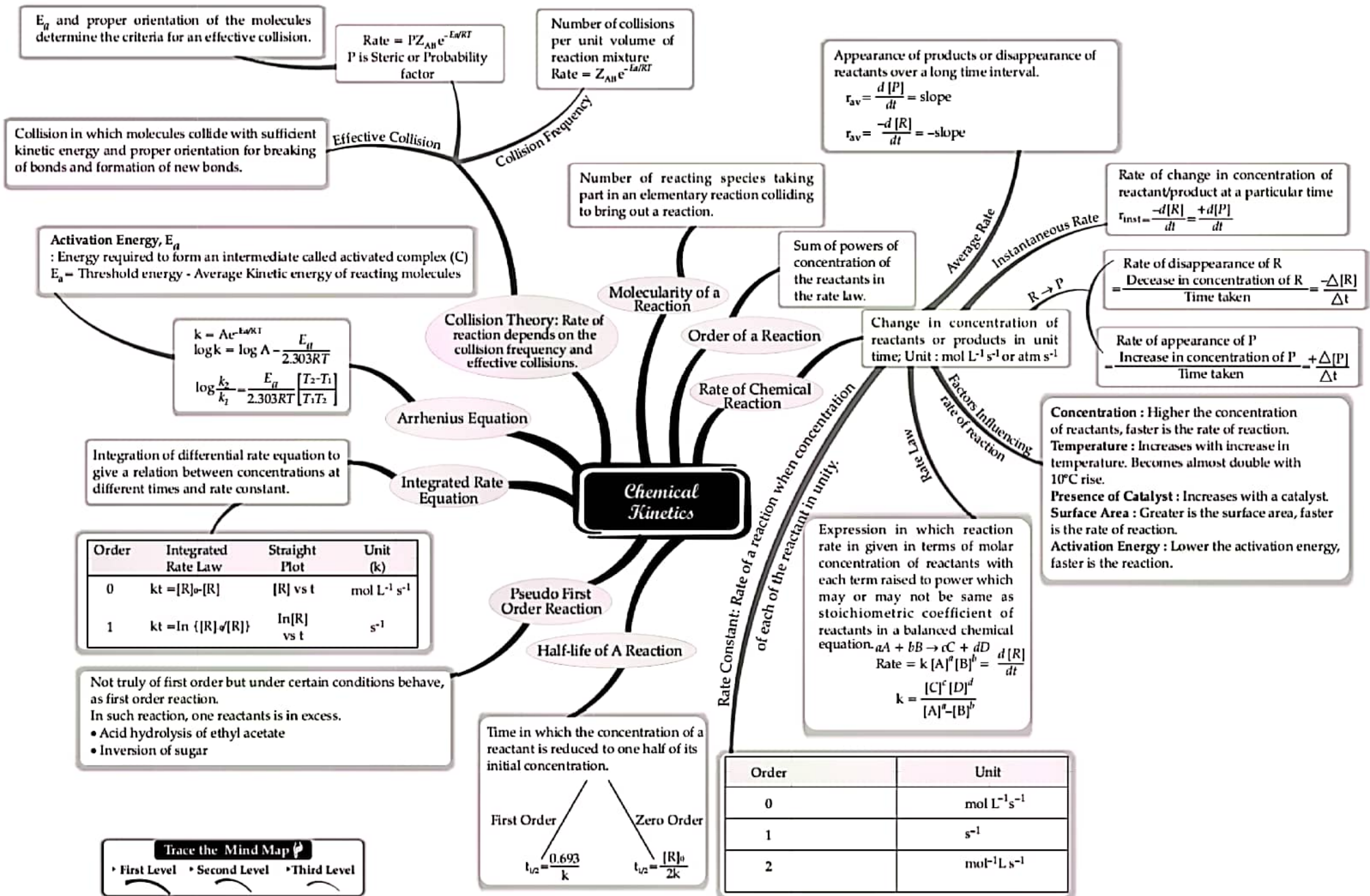


Trace the Mind Map  
 • First Level • Second Level • Third Level



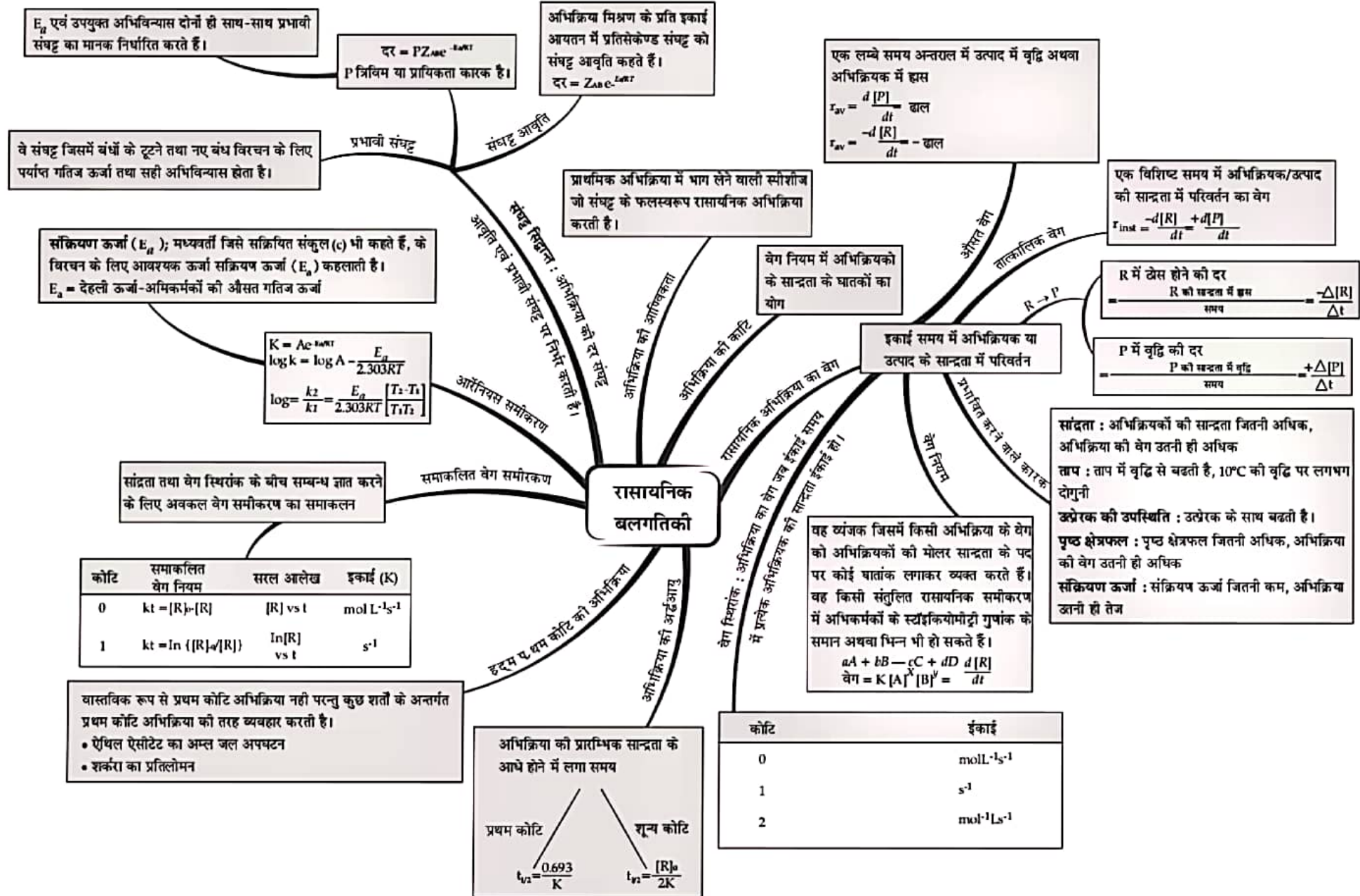
# अध्याय 3 – वैद्युत रसायन







# अध्याय 4 – रासायनिक बलगतिकी



# अध्याय 7 - P ब्लॉक के तत्व

- उपलब्धता : रेडॉन के अतिरिक्त सभी वायुमंडल में पायी जाती है
- इलेक्ट्रॉनिक विन्यास : He के अतिरिक्त  $ns^2 np^6$
- आयनन एन्थैल्पी : उच्च
- परमाणु त्रिज्या : वर्ग में नीचे की ओर परमाणु त्रिज्या में वृद्धि
- इलेक्ट्रॉन लब्धि एन्थैल्पी : अधिक धनात्मक
- भौतिक गुण : एक परमाण्विक, रंगहीन, गंधहीन तथा स्वादहीन। जल में अल्प विलेय है।
- गलनांक तथा क्वथनांक : निम्न
- रासायनिक गुण : न्यूनतम अभिक्रियशील; जीर्णान-फ्लुओराइड  $XeF_2$ ,  $XeF_4$  and  $XeF_6$ .
- जीर्णान आर्सेनीजन यौगिक :  $XeO_3$ ,  $XeOF_4$ ,  $XeOF_6$ .

F और Cl बहुलता से उपलब्ध जबकि Br एवं I कम मात्रा में

**वर्ग 17 के तत्व**

उपलब्धता:  $ns^2 np^3$

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास

परमाणु तथा आयनिक त्रिज्या

आयनन एन्थैल्पी

इलेक्ट्रॉन लब्धि एन्थैल्पी

भौतिक गुण

गलनांक एवं क्वथनांक

रासायनिक गुण

अपने आवर्त में सबसे छोटी परन्तु F से I तक बढ़ती है।

वर्ग में नीचे जाने पर घटती है।

वर्ग में नीचे जाने पर कम ऋणात्मक

उच्च, वर्ग में नीचे जाने पर घटती है।

F एवं Cl गैस है, Br द्रव है तथा I खेस

परमाणु क्रमांक के साथ बढ़ती है।

सभी -1 ऑक्सीकरण अवस्था प्रदर्शित करती है, Cl, Br तथा I +1, +3, +5 तथा +7 ऑक्सीकरण अवस्था प्रदर्शित करती है।

हाइड्रोजन के प्रति अभिक्रियाशीलता  $H-F > H-Cl > H-Br > H-I$

ऑक्सीजन के प्रति अभिक्रियाशीलता  $E OF_2$  (स्थायी) तथा  $O_2 F_2$  बनती है।

धातुओं के प्रति अभिक्रियाशीलता  $MF > MCl > MBr > MI$

अन्य हैलोजनों के प्रति अभिक्रियाशीलता  $XX', XX'_2, XX'_3$  एवं  $XX'_4$  बनता है।

विरचन :  $MnO_2 + 4HCl \rightarrow MnCl_2 + Cl_2 + 2H_2O$

डेकॉन विधि :  $4HCl + O_2 \xrightarrow{CuCl_2} 2Cl_2 + 2H_2O$

गुण : तीखी गन्ध वाली, दमघोंटू हरित-पीली गैस है। वायु से भारी है।

$2Al + 3Cl_2 \rightarrow 2AlCl_3$

$H_2 + Cl_2 \rightarrow 2HCl$

$H_2S + Cl_2 \rightarrow 2HCl + S$

$8NH_3 + 3Cl_2 \rightarrow 6NH_4Cl + N_2$

$2NaOH + Cl_2 \rightarrow NaCl + NaOCl + H_2O$  (ठंडा एवं हल्का)

$2Ca(OH)_2 + 2Cl_2 \rightarrow Ca(OCl)_2 + CaCl_2 + 2H_2O$

$CH_4 + Cl_2 \xrightarrow{UV} CH_3Cl + HCl$

$C_2H_6 + Cl_2 \xrightarrow{कम ताप} C_2H_5Cl$

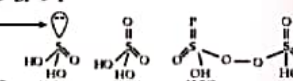
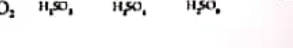
$2FeSO_4 + H_2SO_4 + Cl_2 \rightarrow Fe_2(SO_4)_3 + 2HCl$

$SO_2 + 2H_2O + Cl_2 \rightarrow H_2SO_4 + 2HCl$

$Cl_2 + H_2O \rightarrow 2HCl + O$

'अन्तरहैलोजन यौगिक :  $XX'-sp^3$  (सिद्धि)  $XX'_2-sp^3d$  (T-आकार)

$XX'_3-sp^3d^2$  (वर्ग त्रिभुज),  $XX'_4-sp^3d^2$  (पंचकोणीय द्विपिरमिड)

- इलेक्ट्रॉनिक विन्यास :  $ns^2 np^4$
- परमाणु तथा आयन त्रिज्या : वर्ग में नीचे जाने पर बढ़ती है।
- आयनन एन्थैल्पी : वर्ग में नीचे जाने पर घटती है।
- इलेक्ट्रॉन लब्धि एन्थैल्पी : O से कम ऋणात्मक होता है।
- विद्युत ऋणात्मकता : परमाणु संख्या में वृद्धि के साथ कम होती है।
- भौतिक गुण : O तथा S अधातु हैं, Se तथा Te उपधातु हैं जबकि Po एक धातु है। सभी तत्व अपरूपता प्रदर्शित करते हैं।
- गलनांक एवं क्वथनांक : वर्ग में नीचे जाने पर बढ़ती है।
- रासायनिक गुण : परिवर्तनशील
  - हाइड्रोजन के साथ क्रियाशीलता : स्थायी हाइड्राइड
  - हैलोजन के साथ क्रियाशीलता  $F^- > Cl^- > Br^- > I^-$
- S के आक्सोअम्ल : 
- हायड्रोजन (O<sub>2</sub>) : 
- विरचन :  $2KClO_3 \xrightarrow{MnO_2} 2KCl + 3O_2$
- गुण : रंगहीन एवं गंधहीन गैस
- $2Ca + O_2 \rightarrow 2CaO$ ;  $4Al + 3O_2 \rightarrow 2Al_2O_3$
- $2SO_2 + O_2 \xrightarrow{V_2O_5} 2SO_3$ ;  $4HCl + O_2 \xrightarrow{CuCl} 2Cl_2 + 2H_2O$

**वर्ग 16 के तत्व**

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास :  $ns^2 np^4$

परमाणु तथा आयन त्रिज्या

आयनन एन्थैल्पी

विद्युत ऋणात्मकता

भौतिक गुण

रासायनिक गुण

वर्ग में नीचे की ओर बढ़ती है।

वर्ग में नीचे की ओर बढ़ने पर आयनन एन्थैल्पी परमाण्विक आकार में लगातार वृद्धि के कारण घटती है।

वर्ग में नीचे की ओर जाने पर परमाण्विक आकार में वृद्धि के कारण घटता है।

बहुपरमाणुक, वर्ग में नीचे की ओर जाने पर धात्विक गुण बढ़ता है। N व P अधातु हैं, As तथा Sb उपधातु हैं तथा Bi धातु है। क्वथनांक ऊपर से नीचे की ओर बढ़ता है एवं गलनांक, As तक बढ़ता है एवं उसके बाद Bi तक घटता है। N के अलावा सभी तत्व अपरूपता प्रदर्शित करते हैं।

सामान्य ऑक्सीकरण अवस्था : -3, +3 एवं +5

नाइट्रोजन असमम्य गुण (व्यवहार) प्रदर्शित करता है।

**वर्ग 15 के तत्व**

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास :  $ns^2 np^3$

परमाणु तथा आयन त्रिज्या

आयनन एन्थैल्पी

विद्युत ऋणात्मकता

भौतिक गुण

रासायनिक गुण

वर्ग में नीचे की ओर बढ़ती है।

वर्ग में नीचे की ओर बढ़ने पर आयनन एन्थैल्पी परमाण्विक आकार में लगातार वृद्धि के कारण घटती है।

वर्ग में नीचे की ओर जाने पर परमाण्विक आकार में वृद्धि के कारण घटता है।

सामान्य ऑक्सीकरण अवस्था : -3, +3 एवं +5

नाइट्रोजन असमम्य गुण (व्यवहार) प्रदर्शित करता है।

**प्रयोगशाला में :**

$NH_4Cl + NaNO_2 \rightarrow N_2 + 2H_2O + NaCl$

**तापीय अपघटन :**

$(NH_4)_2Cr_2O_7 \xrightarrow{ताप} N_2 + 4H_2O + Cr_2O_3$

$Ba(N_3)_2 \rightarrow Ba + 3N_2$

**गुण :**

रंगहीन, गंधहीन, स्वादहीन तथा अविषैली गैस

$6Li + N_2 \xrightarrow{\Delta} 2Li_3N$

$3Mg + N_2 \xrightarrow{\Delta} Mg_3N_2$

$N_2 + 3H_2 \xrightarrow{773K} 2NH_3, \Delta H^\circ = -46.1 \text{ KJ mol}^{-1}$

$N_2 + O_2 \xrightarrow{\Delta} 2NO$

**नाइट्रोजन के अम्लहाइड्र**

$NH_4CO NH_2 + 2H_2O \rightarrow (NH_4)_2CO_3 \rightleftharpoons 2NH_3 + H_2O + CO_2$

$N_2 + 3H_2 \rightleftharpoons 2NH_3, \Delta H^\circ = -46.1 \text{ kJ mol}^{-1}$

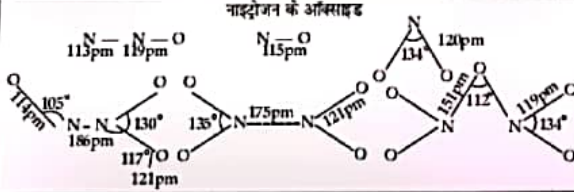
गुण : तीखी गंध वाली रंगहीन गैस है। जल में घुलनशील है।

$NH_3 + H_2O \rightleftharpoons NH_4^+ + OH^-$

$ZnSO_4 + 2NH_4OH \rightarrow Zn(OH)_2 + (NH_4)_2SO_4$  (श्वेत अवक्षेप)

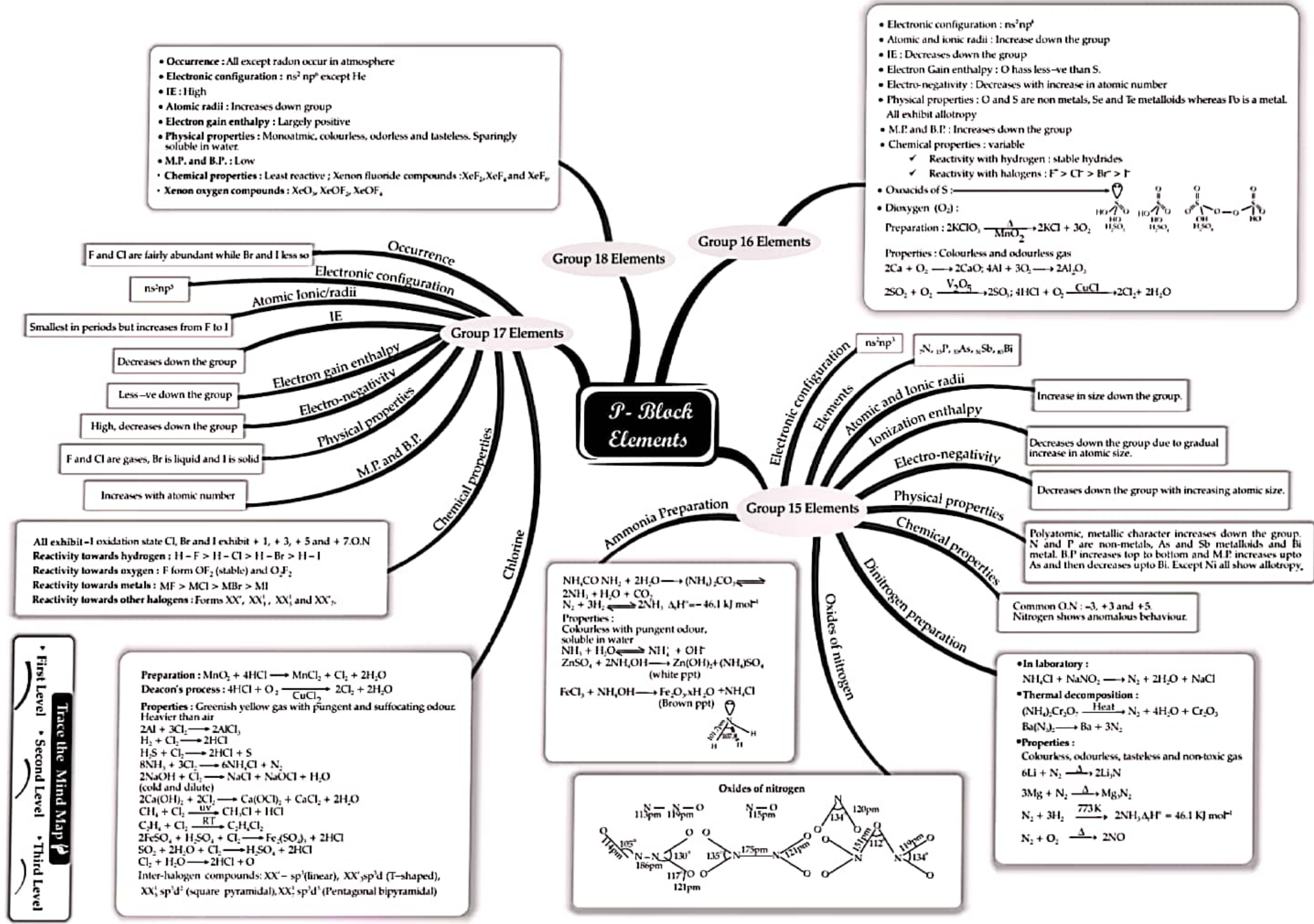
$FeCl_3 + NH_4OH \rightarrow Fe_2O_3 \cdot xH_2O + NH_4Cl$  (भूरा अवक्षेप)

**नाइट्रोजन के अम्लहाइड्र**



Scanned with CamScanner







- Position : Between *s*- and *p*-blocks.
- Electronic configuration :  $(n-1)d^{1-10}ns^{1-2}$
- Physical properties : Show typical metallic properties, melting and boiling point are high; High enthalpies of atomization.
- Decrease in radius with increasing atomic number. 'Lanthanoid contraction is due to filling of 4f before 5d orbitals, hence 2nd, 3rd d-series exhibit similar radii. Also due to imperfect shielding of one e<sup>-</sup> by another in the same set of orbitals in same set of orbitals.'
- Ionisation enthalpies : Increases from left to right.
- Oxidation states : Variable; higher ON stable.
- Trends in  $M^{2+}/M^0$  :  $E^\circ$  for Mn, Ni and Zn are more negative than expected.
- Trends in  $M^{3+}/M^{2+}$  :  $E^\circ$  : Variable.
- Chemical reactivity and  $E^\circ$  values : Variable;  $Ti^{2+}$ ,  $V^{2+}$  and  $Cr^{2+}$  are strong reducing agents.
- Magnetic properties : Diamagnetism and paramagnetism. Magnetic moment increases with increasing atomic number.
- Formation of coloured ions : Form coloured compounds due to d-d transitions.
- Formation of complex compounds : Form a large number of complex compounds.
- Catalytic properties : Due to variable oxidation states and ability to form complexes.
- Forms interstitial compounds : Non-stoichiometric and are neither ionic nor covalent.
- Alloy formation : Due to similar atomic sizes.

- Helps in production of iron and steels.
- $TiO$  in pigment industry.
- $MnO_2$  in dry battery cells.
- As catalysts in industry.
- Ni complexes useful in the polymerization of alkynes and other organic compounds such as benzene.
- AgBr in photographic industry.

Lanthanoid contraction is progressive decrease in atomic/ionic radii from  $La^{3+}$  to  $Lu^{3+}$

- Electronic configuration:  $[Rn]5f^{1-14}6d^{1-2}7s^2$
- Ionic sizes : Gradual decrease along the series.
- Oxidation states : Most common is +3. They show ON of +4, +5, +6 and +7.
- **General characteristics :**
  - Silvery in appearance.
  - Display variety of structures.
  - Highly reactive metals.
  - Irregularities in metallic radii, greater than in lanthanoids.
  - Magnetic properties more complex than lanthanoids.

d-Block transition elements groups 3-12

Uses

Actinoids

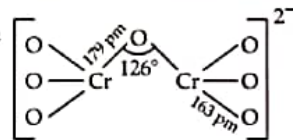
Lanthanoids

f-Block Transition Elements

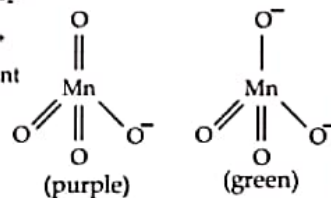
## d- and f-Block Elements

Oxides and oxoanions of metals

- Potassium dichromate  $K_2Cr_2O_7$
- Preparation :  $4FeCr_2O_4 + 8Na_2CO_3 + 7O_2 \rightarrow 8Na_2CrO_4 + 2Fe_2O_3 + 8CO_2$
- $2Na_2CrO_4 + 2H^+ \rightarrow Na_2Cr_2O_7 + 2Na^+ + H_2O$
- $Na_2Cr_2O_7 + 2KCl \rightarrow K_2Cr_2O_7 + 2NaCl$
- Properties :  $Cr_2O_7^{2-} + 14H^+ + 6e^- \rightarrow 2Cr^{3+} + 7H_2O$
- Oxidises iodides to iodine,  $H_2S$  to  $S$ ,  $SO_3^{2-}$  to  $SO_4^{2-}$ ,  $NO_2^-$  to  $NO_3^-$

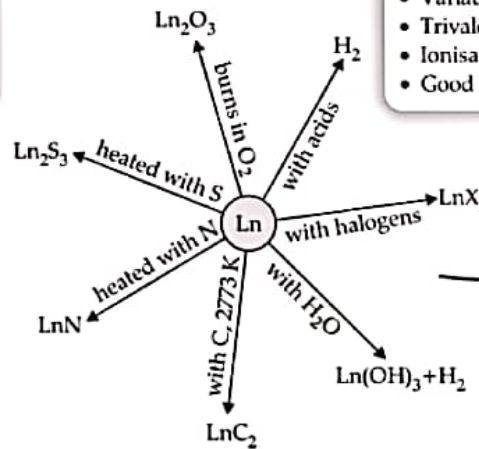


- Potassium permanganate  $KMnO_4$
- Preparation :  $2MnO_2 + 4KOH + O_2 \rightarrow 2K_2MnO_4 + 2H_2O$
- $3MnO_4^{2-} + 4H^+ \rightarrow 2MnO_4^- + MnO_2 + 2H_2O$
- $2Mn^{2+} + 5S_2O_8^{2-} + 8H_2O \rightarrow 2MnO_4^- + 10SO_4^{2-} + 16H^+$
- Properties : Intense colour, weak temperature dependent paramagnetism
- $MnO_4^- + 8H^+ + 5e^- \rightarrow Mn^{2+} + 4H_2O$
- Oxidizes  $I^-$  to  $I_2$ ,  $Fe^{2+}$  to  $Fe^{3+}$ ,  $C_2O_4^{2-}$  to  $CO_2$ ,  $S^{2-}$  to  $S$ ,  $SO_3^{2-}$  to  $SO_4^{2-}$ ,  $NO_2^-$  to  $NO_3^-$



- Electronic configuration :  $4f^{1-14}5d^{1-1}6s^2$
- Atomic and ionic sizes : Decrease from La to Lu
- Oxidation states : Most common is +3. Some elements exhibit +2 and +4.
- **General characteristics :**
  - Silvery white soft metals and tarnish rapidly in air.
  - Hardness increases with increasing atomic number.
  - Metallic structure and good conductors of heat and electricity.
  - Variable density.
  - Trivalent lanthanoid ions are coloured.
  - Ionisation Enthalpies : Low third ionisation enthalpies.
  - Good reducing agents.

Chemical Properties



Trace the Mind Map

• First Level • Second Level • Third Level

# अध्याय 8 – d-एवं f-ब्लॉक के तत्व

- स्थिति : s- एवं p- ब्लॉक के मध्य
- इलेक्ट्रॉनिक विन्यास :  $(n-1)d^{1-10} ns^{1-2}$
- भौतिक गुण: अभिधात्विक गुणों का प्रदर्शन, गलनांक एवं क्वथनांक : उच्च कथन एन्थैल्पी।
- परमाणु संख्या में वृद्धि के साथ त्रिज्या में कमी लैन्थेनायड संकुचन के लिए उलतरदायी कारक है एक ही समुच्चय के कक्षकों में एक इलेक्ट्रॉन द्वारा दूसरे पर अपूर्ण आवरण प्रभाव
- आयनन एन्थैल्पी : बाएं से दाएं ओर बढ़ती है।
- अक्सिकरण अवस्था : परिवर्तनीय ; उच्च अक्सिकरण संख्या स्थायी
- $M^{2+}/M E^-$  में प्रवृत्तियै : परिवर्तनीय
- रासायनिक अभिक्रियाशीलता एवं  $E^-$  मान : परिवर्तनशील ;  $Ti^{2+}$ ,  $V^{2+}$  तथा  $Cr^{2+}$  प्रबल अपवायक है।
- चुम्बकीय गुण : प्रति चुम्बकत्व तथा अनुचुम्बकत्व, परमाणु संख्या बढ़ने पर चुम्बकीय आघूर्ण का मान बढ़ता है।
- रंगीन आयनों का बनना : d-d संक्रमण के कारण रंगीन यौगिकों का निर्माण
- संकुल यौगिकों का निर्माण : वृहत् संख्या में संकुल यौगिकों का निर्माण
- उत्प्रेरकीय गुण : परिवर्तनशील अक्सिकरण अवस्था तथा संकुल यौगिकों के निर्माण को क्षमता के कारण।
- अंतराकाशी यौगिकों का बनना : असमीकरणमितीय तथा न तो आयनी न ही सहसंयोजी
- मिश्रातुओं का बनना : समान परमाण्विक आकार के कारण

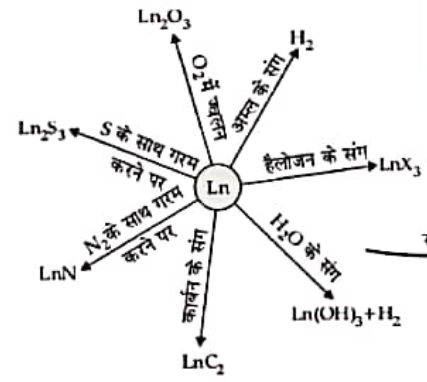
- लोहा एवं इस्पात के उत्पादन में मदद
- TiO का वर्णक उद्योग में
- $MnO_2$  का श्रुष्क बैटरी सेलों में
- उद्योग में उत्प्रेरक के रूप में
- Ni संकुलो ऐल्काइनों तथा अन्य कार्बनिक यौगिकों जैसे बेन्जीन के सहलीकरण में उपयोगी है।
- AgBr, फोटोग्राफी उद्योग में।

- इलेक्ट्रॉनिक विन्यास :  $[Rn]5f^{1-14} 6d^{0-2} 7s^1$
- आयनिक आकार : श्रेणी में क्रमिक ह्रास
- आक्सिकरण अवस्थाएँ : सामान्यतः +3। वे +4, +5, +6 एवं +7 आक्सिकरण अवस्था दर्शाते हैं।
- सामान्य अभिलक्षण :
  - चाँदी की तरह दिखती है
  - विभिन्न प्रकार की संरचनाएँ दर्शाती है
  - अत्यधिक अभिक्रियारील धातुएँ
  - धात्विक त्रिज्याओं में अनियमितताएँ हैं, लैन्थेनाइडों से अधिक
  - चुम्बकीय गुण लैन्थेनायडों की तुलना में अधिक जटिल है।

## d- एवं f- ब्लॉक के तत्व

पोटैशियम डाइक्रोमेट  $K_2Cr_2O_7$   
 विरचन :  $4FeCr_2O_4 + 8Na_2CO_3 + 7O_2 \rightarrow 8Na_2CrO_4 + 2Fe_2O_3 + 8CO_2$   
 $2Na_2CrO_4 + 2H^+ \rightarrow Na_2Cr_2O_7 + 2Na^+ + H_2O$   
 $Na_2Cr_2O_7 + 2KCl \rightarrow K_2Cr_2O_7 + 2NaCl$   
 गुण :  $Cr_2O_7^{2-} + 14H^+ + 6e^- \rightarrow 2Cr^{3+} + 7H_2O$   
 ऑक्साइड : आयोडाइड का आयोडीन में,  $H_2S$  to S,  $SO_3^{2-}$  to  $SO_4^{2-}$ ,  $NO_2^-$  to  $NO_3^-$

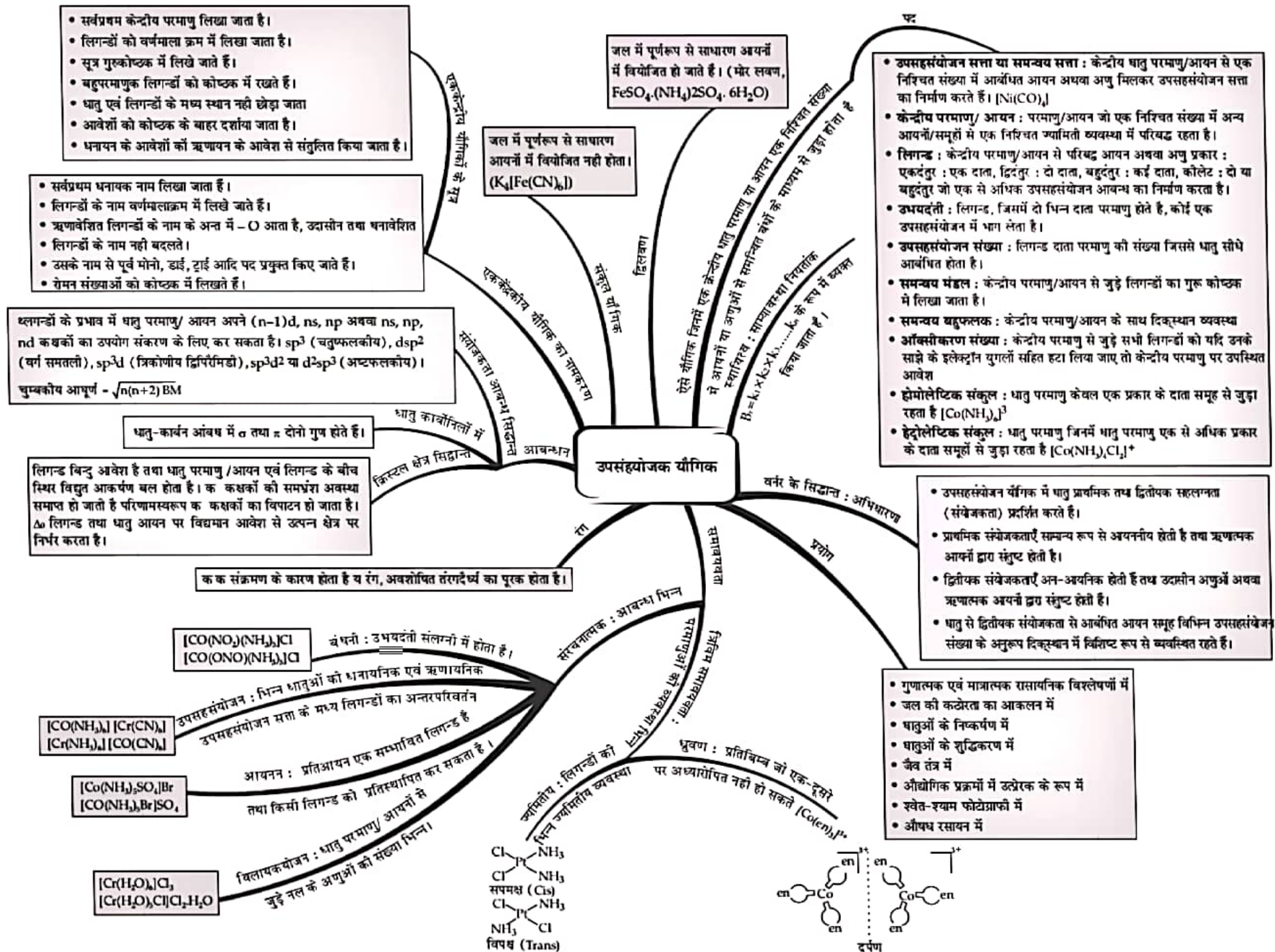
पोटैशियम परमैंगनेट  $KMnO_4$   
 विरचन :  $2MnO_2 + 4KOH + O_2 \rightarrow 2KMnO_4 + 2H_2O$   
 $3MnO_4^{2-} + 4H^+ \rightarrow 2MnO_4^- + MnO_2 + 2H_2O$   
 $2Mn^{2+} + 5S_2O_8^{2-} + 8H_2O \rightarrow 2MnO_4^- + 10SO_4^{2-} + 16H^+$   
 गुण : गहरा रंग, तापक्रम पर आधारित दुर्बल अनुचुम्बकत्व  
 $MnO_4^- + 8H^+ + 5e^- \rightarrow Mn^{2+} + 4H_2O$   
 अक्सिकृत करता है : I<sup>-</sup> से I<sub>2</sub>, Fe<sup>2+</sup> से Fe<sup>3+</sup>,  $C_2O_4^{2-}$  से  $CO_2$ ,  $S^{2-}$  से S,  $SO_3^{2-}$  से  $SO_4^{2-}$ ,  $NO_2^-$  से  $NO_3^-$



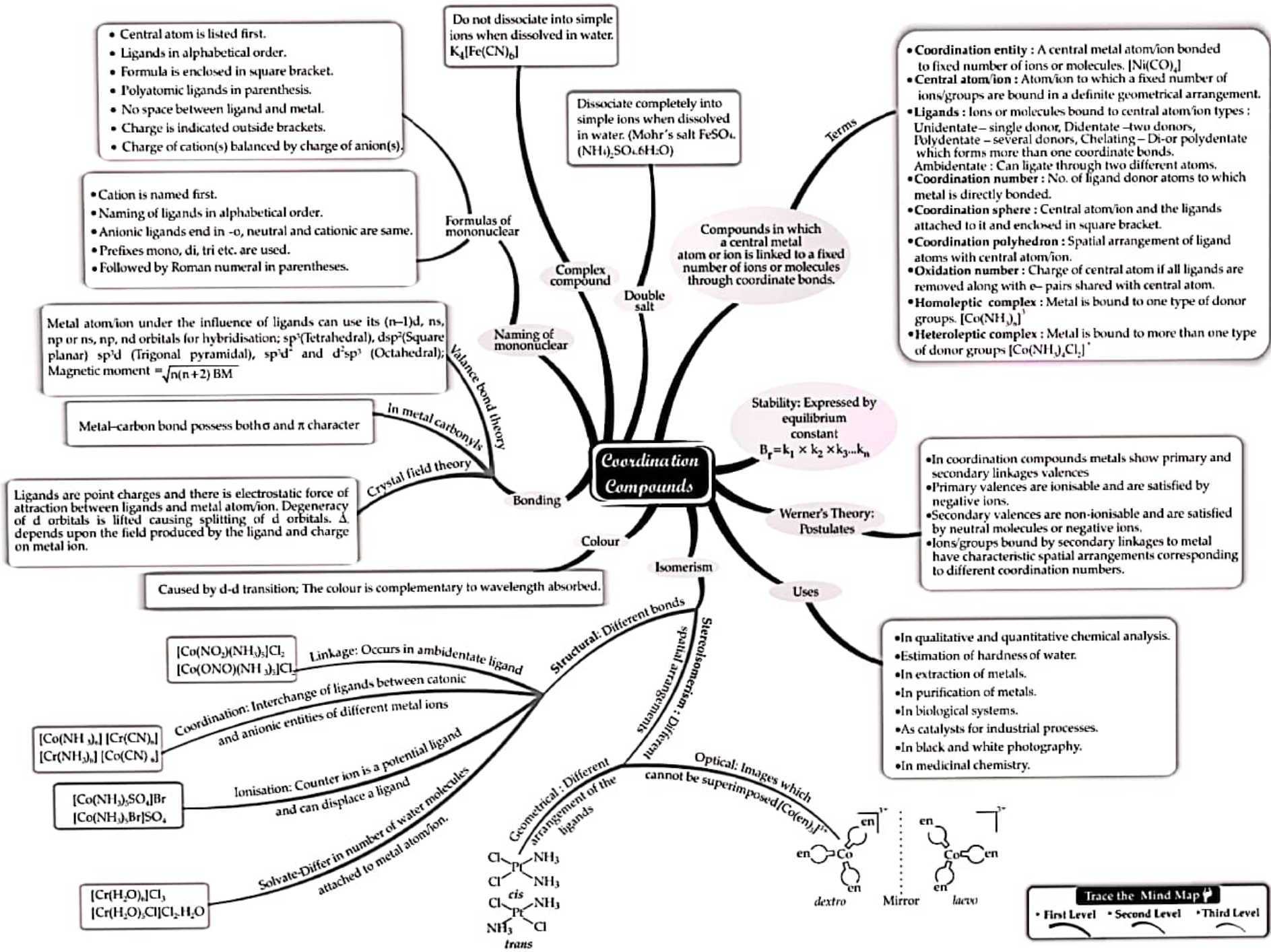
- इलेक्ट्रॉनिक विन्यास  $4f^{1-14} 5d^{0-1} 6s^2$
- परमाणु एवं आयनिक आकार : La से Lu तक घटती है
- आक्सिकरण अवस्थाएँ : सामान्यतः +3। कुछ तत्व +2 एवं +4 प्रदर्शित करते हैं।
- सामान्य अभिलक्षण :
  - चाँदी की तरह श्वेत तथा नरम धातुएँ एवं वायु में तुरंत बदरंग हो जाती है।
  - परमाणु संख्या में वृद्धि के साथ कठोरता में वृद्धि होती है।
  - धात्विक संरचनाएँ तथा उष्मा एवं विद्युत के अच्छे चालक होते हैं।
  - परिवर्तनशील घनत्व
  - त्रिसंयोजी लैन्थेनायड आयन रंगीन होते हैं।
  - आयनन एन्थैल्पी : तृतीय आयनन एन्थैल्पी निम्न
  - अच्छे अवकारक



# अध्याय 9 — उपसंहयोजक यौगिक



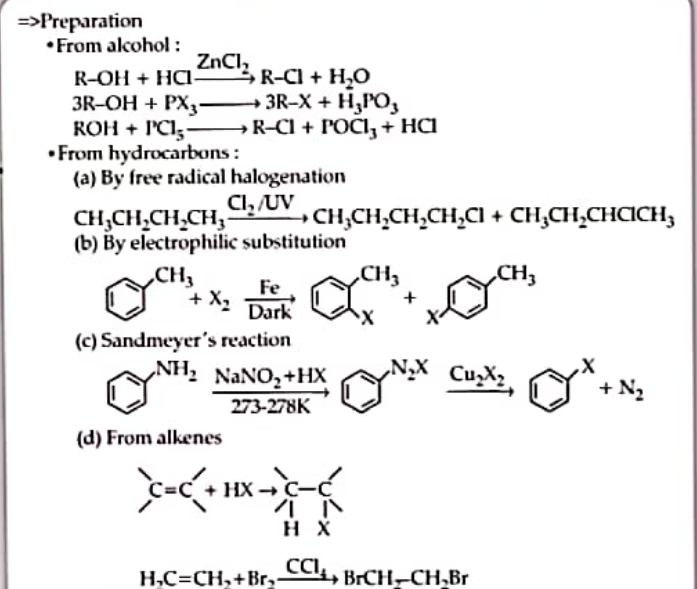
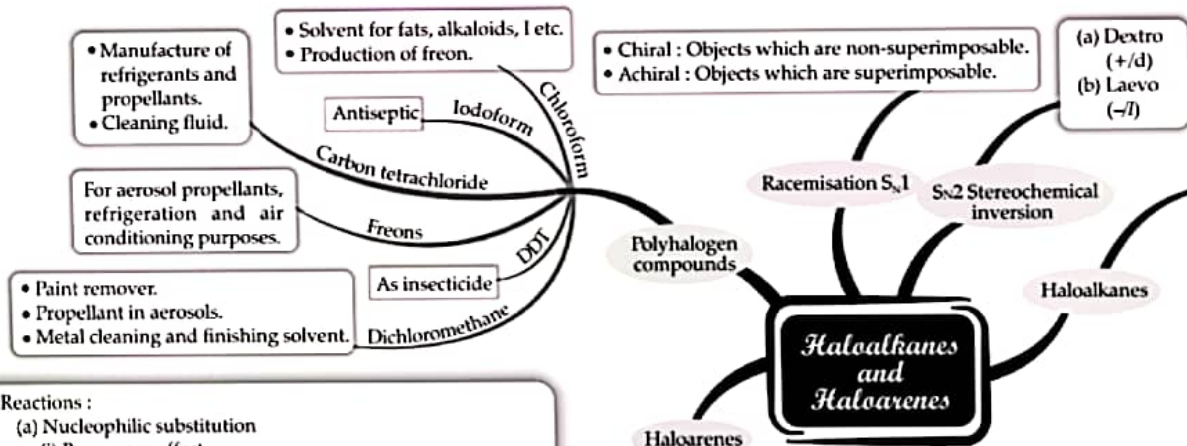
# Coordination Compounds



Trace the Mind Map

• First Level • Second Level • Third Level





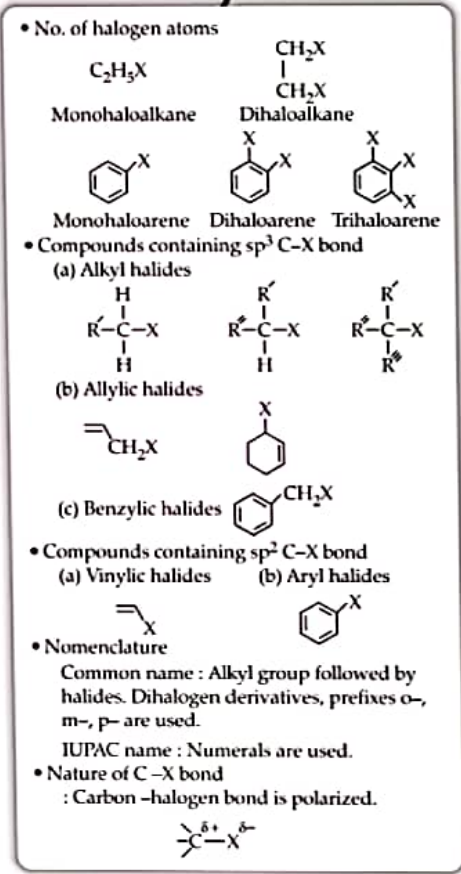
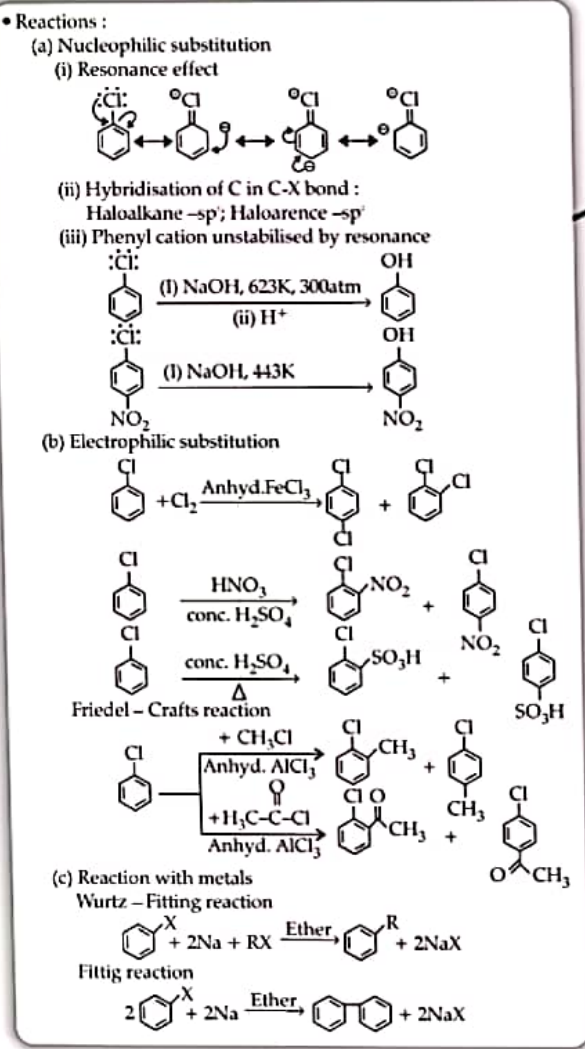
- Halogen exchange** :
 
$$R-X + NaI \longrightarrow R-I + NaX$$
- =>Properties**
  - Physical** : Colourless, volatile, sweet smell.
  - Lower members are gases at room temperature while higher are solids.
  - B.P : RI > RBr > RCl > RE
  - M.P : Para isomers have high m.p. than ortho and meta - isomers.
  - Density : Increases with increase in number of C/X atoms and atomic masses of the X atoms.
  - Solubility : Very slightly soluble in water.
- Chemical** :
  - (a) Nucleophilic substitution
 
$$Nu^- + \begin{matrix} \delta+ \\ C \\ \delta- \\ X \end{matrix} \longrightarrow \begin{matrix} C \\ | \\ Nu \end{matrix} + X^-$$

For  $S_N2$  reaction

Tertiary, Secondary, Primary

For  $S_N1$  reaction
  - (b) Elimination reaction
 
$$B: + \begin{matrix} H \\ | \\ -C-C- \\ | \quad | \\ \quad X \end{matrix} \longrightarrow C=C + B-H + X^-$$

B = Base; X = Leaving group
  - (c) Reaction with metals
 
$$CH_3CH_2Br + Mg \longrightarrow CH_3CH_2MgBr$$
  - Wurtz reaction :
 
$$2RX + 2Na \xrightarrow{Dry\ ether} RR + 2NaX$$



Trace the Mind Map

• First Level • Second Level • Third Level

# अध्याय 10 – हैलोएल्केन तथा हैलोऐरीन

**प्रयोग**

- प्रयोगिक तथा प्रणोदक का उत्पादन
- साफ करने वाला द्रव

**उत्पादन**

- फ्रेऑन के उत्पाद में

**संशोधन**

- पेंट अपवनक
- ऐरोसॉल में प्रणोदक
- धातु की सफाई एवं फिनिशिंग विनायक के रूप में

**संशोधन**

- क्राइल : बस्तुओं को अपने दम पर प्रतिबिम्ब पर अभ्यारोपित नहीं होती।
- एकाइरल : बस्तुओं को अपने प्रतिबिम्ब पर अभ्यारोपित हो जाती है।

**संशोधन**

- (a) दक्षिण घुवप (+/d)
- (b) वाम घुवप (-/l)

**संशोधन**

- विरचन
- अल्कोहल से :
 
$$R-OH + HCl \xrightarrow{ZnCl_2} R-Cl + H_2O$$

$$3R-OH + PX_3 \longrightarrow 3R-X + H_3PO_3$$

$$ROH + PCl_5 \longrightarrow R-Cl + POCl_3 + HCl$$
- हाइड्रोकार्बन से :
  - (a) मुक्त मूलक हैलोजनन द्वारा
 
$$CH_3CH_2CH_2CH_3 \xrightarrow{Cl_2/h\nu} CH_3CH_2CH_2CH_2Cl + CH_3CH_2CH(Cl)CH_3$$
  - (b) इलेक्ट्रो-रागी प्रतिस्थापन द्वारा
 
$$C_6H_5CH_3 + X_2 \xrightarrow{Fe} C_6H_5CH_2X + C_6H_4CH_3X$$
  - (c) सैन्डमायर अभिक्रिया
 
$$C_6H_5NH_2 \xrightarrow{NaNO_2 + HX} C_6H_5N_2X \xrightarrow{Cu_2X_2} C_6H_5X + N_2$$
  - (d) एल्कीनों से
 
$$C=C + HX \rightarrow C-C$$

**हैलोएल्केन तथा हैलोऐरीन**

**संशोधन**

- (a) नाभिकरागी प्रतिस्थापन
  - (i) अनुकूल प्रभाव
 
$$C_6H_5Cl \leftrightarrow C_6H_5^{\delta+}Cl^{\delta-}$$
  - (ii) C-X आबंध में संकरण : हैलोएल्केन -sp<sup>3</sup>; हैलोऐरीन -sp<sup>2</sup>
  - (iii) फेनिल धनायन का अस्थायित्व अनुवाद द्वारा :
 
$$C_6H_5Cl \xrightarrow{(i) NaOH, 623K, 300atm} C_6H_5O^- \xrightarrow{(ii) H^+} C_6H_5OH$$

$$C_6H_5Cl \xrightarrow{(i) NaOH, 443K} C_6H_4NO_2 \xrightarrow{(ii) H^+} C_6H_4NO_2$$
- (b) इलेक्ट्रो-रागी प्रतिस्थापन
  - निर्जल FeCl<sub>3</sub>

$$C_6H_5Cl + Cl_2 \xrightarrow{FeCl_3} C_6H_4Cl_2 + C_6H_5Cl$$
  - HNO<sub>3</sub>

$$C_6H_5Cl \xrightarrow{HNO_3} C_6H_4ClNO_2 + C_6H_5Cl$$
  - संद्र H<sub>2</sub>SO<sub>4</sub>

$$C_6H_5Cl \xrightarrow{H_2SO_4} C_6H_4ClSO_3H + C_6H_5Cl$$
- (c) धातुओं के साथ अभिक्रिया
  - फ्रेंडल-क्राउट अभिक्रिया
 
$$C_6H_5Cl + CH_3Cl \xrightarrow{AlCl_3} C_6H_4ClCH_3 + C_6H_5Cl$$
  - फिटिंग अभिक्रिया
 
$$C_6H_5Cl + Na + RX \rightarrow C_6H_5R + NaX$$
  - फिटिंग अभिक्रिया
 
$$2C_6H_5Cl + 2Na \rightarrow C_6H_5-C_6H_5 + 2NaX$$

**संशोधन**

- हैलोजन परमाणुओं की संख्या
  - मोनोहैलोएल्केन  $C_2H_5X$
  - डाइहैलोएल्केन  $C_2H_4X_2$
  - मोनोहैलोऐरीन  $C_6H_5X$
  - डाइहैलोऐरीन  $C_6H_4X_2$
  - ट्राइहैलोऐरीन  $C_6H_3X_3$
- sp<sup>3</sup> C-X आबंध युक्त यौगिक
  - (a) ऐलिकल हैलाइड
 
$$R-CH_2-X$$
  - (b) ऐलिफैटिक हैलाइड
 
$$R-CH(X)-R'$$
  - (c) बेंजिलिक हैलाइड
 
$$C_6H_5-CH_2-X$$
- sp<sup>2</sup> C-X आबंध युक्त यौगिक
  - (a) व्हाइनिलिक हैलाइड  $C=C(X)-H$
  - (b) ऐरिल हैलाइड  $C_6H_5-X$
- नामरूढ़ि
  - o-, m-, p- का उपयोग करते हैं।
  - IUPAC नाम : संख्याओं का उपयोग करता है।
  - C-X आबंध की प्रकृति : कार्बन हैलोजन आबंध ध्रुवित होता है।

**संशोधन**

- (a) नाभिकरागी प्रतिस्थापन अभिक्रिया
 
$$Nu^- + C-X \rightarrow Nu-C + X^-$$

S<sub>N</sub>2 अभिक्रिया के लिए

प्राथमिक, द्वितीयक, प्राथमिक अभिक्रिया
- (b) विलोपन अभिक्रिया
 
$$B^- + C-X \rightarrow C=C + B-H + X^-$$

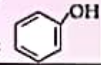
B = क्षार; X = अवशिष्ट समूह
- (c) धातुओं से अभिक्रिया
 
$$CH_3CH_2Br + Mg \rightarrow CH_3CH_2MgBr$$

वुर्ट्स अभिक्रिया :  $2RX + 2Na \rightarrow RR + 2NaX$



# अध्याय 11 – एल्कोहॉल फीनॉल एवं ईथर

**एल्कोहॉल, फीनॉल एवं ईथर**

(i)  $C_{sp^3}-OH$  अवबंध दर्शास्यत  
 $-CH_2OH > CHOH > COH$   
 (1) (2) (3)  
 (ii)  $C_{sp^2}-OH$  अवबंध दर्शास्यत हो  
 वाइनिक अल्कोहल :  
 $CH_2 = CH - OH$  फेनॉल : 

(i) सरल/सर्वांगत :  $O_2$  से जुड़े एल्कल अथवा एरिल समूह एक समान  
 (ii) मिश्रित/असममित : दोनो समूह भिन्न/भिन्न हों

सामान्य नाम : एल्कल समूह + Ol; IUPAC नाम : एल्केन के अंग्रेजी के लिखे नाम के अंतिम 'e' को अनुत्तानकअल (ol) से प्रतिस्थापित किया जाता है।

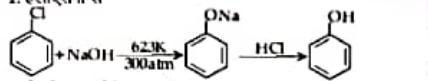
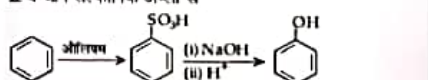
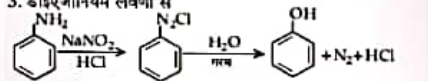
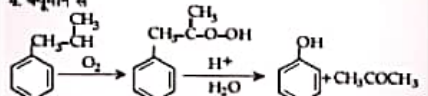
सामान्य नाम : आर्बेन, मेटा तथा पैरा पद प्रयुक्त होते हैं। IUPAC नाम : डाइहाइड्रोबेन्सी व्युत्पन्न को बेन्जीन 2,2-1, 3- या 1,4-डाइअल कहते हैं।

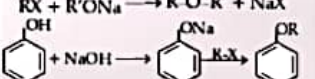
सामान्य नाम : एल्कल/एरिल समूहों के नामों को अंग्रेजी बर्षायाला के बर्षाल्पक क्रम में अलग-अलग लिखकर अन्त में ईथर शब्द लिखा जाता है। IUPAC नाम : डाइहाइड्रोबेन्सी परमाणु  $-OR/OAr$  समूह द्वारा प्रतिस्थापित होते हैं। सबसे बड़े एल्कल (R) समूह को मूल डाइहाइड्रोबेन्सी चुना जाता है।

$-OH$  समूह को ऑक्सीजन कार्बन के साथ सिग्मा ( $\sigma$ ) अवबंध द्वारा जुड़ी होती है जो कार्बन के  $sp^3$  संकरित कक्षक और ऑक्सीजन के  $sp^3$  संकरित कक्षक के अतिव्यापन द्वारा बनता है।  
 • ईथर में, चार इलेक्ट्रॉन युगल के लिए धातुकलाकोष व्यवस्था होती है।

प्रकारिक समूहों की संरचनाएँ

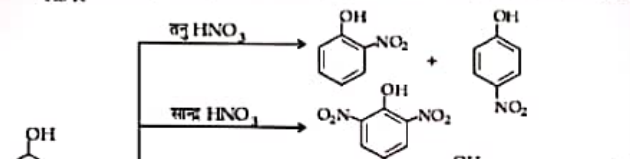
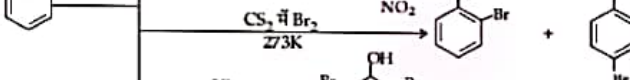
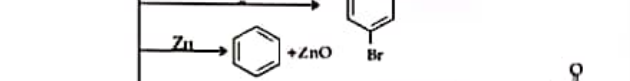
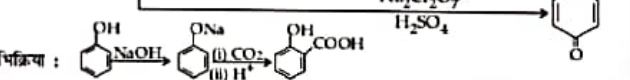
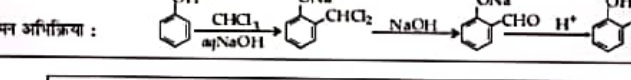
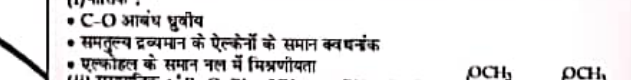
1. एल्कोहॉल से : (i) अम्ल उत्क्षेपित जलयोजन द्वारा  
 (ii) हाइड्रोबेरीन-ऑक्सीकरण के द्वारा  
 $CH_3-CH=CH_2 + (H-BH_2) \rightarrow CH_3-CH_2-CH_2-BH_2$   
 $3CH_3-CH_2-CH_2-OH + B(OH)_3 \xrightarrow[2145O_2OH]{H_2O} CH_3-CH_2-CH_2-O-B(OH)_2 + CH_3-CH_2-CH_2-OH$   
 2. कार्बोनिल यौगिकों से  
 (i) ऐल्डहाइड व कोटोन के अपचयन द्वारा  
 $RCHO + H_2 \xrightarrow{Pd} RCH_2OH$   
 $RCHO + H_2 \xrightarrow{Ni} RCH_2OH$   
 (ii) कार्बोक्सिलिक अम्लों तथा एस्टरों के अपचयन द्वारा  
 $RCOOH \xrightarrow{LiAlH_4} RCH_2OH$   
 $RCOOR' \xrightarrow{LiAlH_4} RCH_2OH + R'OH$   
 3. प्रोत्थर अधिकर्मकों से  
 $C=O + R \xrightarrow{MgX} [C(O^-)Mg^+R] \xrightarrow{H_3O^+} C(OH)R + Mg(OH)X$

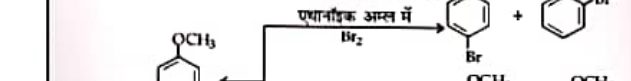
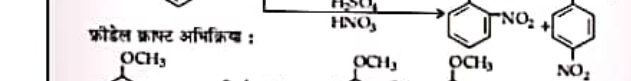
1. हैलोएरीनों से  
  
 2. बेन्जीन सल्फोनिक अम्लों से  
  
 3. डाइज़ोनियम लवणों से  
  
 4. ब्यूनीन से  


1. एल्कोहॉल के निर्जलन द्वारा  
 $CH_3CH_2OH \xrightarrow[413K]{H_2SO_4} C_2H_5OC_2H_5$   
 2. क्लियमस संश्लेषण  
 $RX + R'ONa \rightarrow R-O-R' + NaX$   


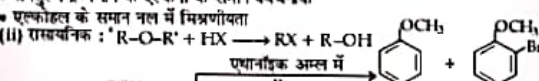
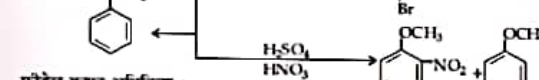
• मेथनिल (काच स्ट्रिट) : इसका उपयोग पेंट और बार्निश के लिए विलायक के रूप में तथा फोर्मिलहाइड्रड बनाने के लिए किया जाता है।  
 • एथेनॉल : इसका उपयोग पेंट उद्योग में विलायक के रूप में तथा कार्बन के अनेक यौगिकों के विरयन में प्रयुक्त की जाते हैं।

(i) भौतिक : • C परमाणु को संख्या में वृद्धि के साथ क्वथनांक बढ़ते हैं।  
 • क्लियत एल्कल/एरिल समूहों के आकार बढ़ने के साथ घटते हैं।  
 (ii) रासायनिक :  $2-R-O-H + 2Na \rightarrow 2R-O-Na + H_2$ ; अम्लत-प्रथमिक > द्वितीयक > तृतीयक  
 $Ar/RO-H + R'-COOH \xrightarrow{H^+} Ar/ROCOR' + H_2O$ ;  $ROH + HX \rightarrow R-OX + H_2O$   
 $C_2H_5OH \xrightarrow[413K]{H_2SO_4} CH_2=CH_2 + H_2O$ ;  $RCH_2OH \xrightarrow{O} R-C(=O)-H \xrightarrow{O} R-C(=O)-O-H$

रजु  $HNO_3$  →   
 सान्द्र  $HNO_3$  →   
 $CS_2$  में  $Br_2$ , 273K →   
 $3Br_2$  →   
 $Zn$  →   
 $Na_2Cr_2O_7$ ,  $H_2SO_4$  → 

कोल्बे अपक्रिया :   
 राइमर टोमन अपक्रिया : 

(i) भौतिक :  
 • C-O आबंध ध्रुवीय  
 • समतुल्य द्रव्यमान के ऐल्केनों के समान क्वथनांक  
 • एल्कोहल के समान तल में मिश्रणीयता  
 (ii) रासायनिक :  $R-O-R' + HX \rightarrow RX + R-OH$

एथेनॉल अम्ल में  $Br_2$  →   
 $H_2SO_4$ ,  $HNO_3$  →   
 फ्रीडेल क्रॉफ्ट अपक्रिया :  
 $C_6H_5OCH_3 + CH_3Cl \xrightarrow[CS_2]{NiCl_2 \cdot AlCl_3} C_6H_4(OCH_3)CH_3$   
 $C_6H_5OCH_3 + CH_3COCl \xrightarrow{NiCl_2 \cdot AlCl_3} C_6H_4(OCH_3)COCH_3$

# Alcohols, Phenols And Ethers

**Nomenclature**

- (i) Containing  $C_{sp^3}-OH$  bond  
 $-CH_2OH$  (1°)  $>CHOH$  (2°)  $>COH$  (3°)
- (ii) Containing  $C_{sp^2}-OH$  bond  
 Vinylic alcohol: C=C-OH  
 Phenols: c1ccccc1O

**Classification**

- (i) Simple/symmetrical: Alkyl or aryl attached to oxygen atom same.
- (ii) Mixed/unsymmetrical: Two groups are different.

**Alcohols**

- Common name: Alkyl group + ol; IUPAC name: substituting 'e' of alkane with suffix 'ol'

**Phenols**

- Common name: Terms ortho, meta and para are used. IUPAC name: Dihydroxy derivatives as 1,2-, 1,3- and 1,4-benzenediol

**Ethers**

- Common name: Alkyl/aryl groups in alphabetical order followed by ether. IUPAC name: In alkyl/aryl group 'e' replaced by oxy followed by parent hydrocarbon.

**Structures of functional groups**

- Oxygen of  $-OH$  group is attached to C by a  $\sigma$  bond formed by the overlap of  $sp^3$  orbital of C with a  $sp^3$  orbital of oxygen.
- In ethers, tetrahedral arrangement for four electron pairs.

**Properties**

- (i) Physical:
  - Boiling point increases with increase in the number of C atoms.
  - Solubility decreases with increase in size of alkyl/aryl groups.
- (ii) Chemical:
  $2R-OH + 2Na \rightarrow 2R-O-Na + H_2$ ; Acidity - primary > secondary > tertiary

**Reactions of Phenol:**

- $Ar/RO-H + R'-COOH \xrightarrow{H^+} Ar/ROCOR' + H_2O$
- $ROH + HX \rightarrow R-X + H_2O$
- $C_2H_5OH \xrightarrow[443\text{ K}]{H_2SO_4} CH_2=CH_2 + H_2O$
- $RCH_2OH \xrightarrow{Oxidation} R-\overset{H}{C}=\overset{OH}{C}-O \rightarrow R-\overset{H}{C}=\overset{OH}{C}-O$

**Phenol reactions:**

- DiHNO<sub>3</sub> → 2-nitrophenol + 4-nitrophenol
- Conc. HNO<sub>3</sub> → 2,4,6-trinitrophenol
- Br<sub>2</sub> in CS<sub>2</sub> at 273K → 2-bromophenol + 4-bromophenol
- 3Br<sub>2</sub> → 2,4,6-tribromophenol
- Zn → Benzene + ZnO
- Na<sub>2</sub>Cr<sub>2</sub>O<sub>7</sub> / H<sub>2</sub>SO<sub>4</sub> → p-quinone

**Kolbe's reaction:** Phenol → Sodium phenoxide → Acetic acid

**Reimer Tiemann reaction:** Phenol → Sodium phenoxide → Salicylaldehyde

**Preparation**

- From alkenes:**
  - (i) By acid catalysed hydration:  $>C=C< + H_2O \xrightarrow{H^+} >C(OH)-C<$
  - (ii) By hydroboration-oxidation:  $CH_3-CH=CH_2 + (H-BH_2) \rightarrow CH_3-CH_2-CH_2-BH_2 \xrightarrow{H_2O, O_3, OH^-} CH_3-CH_2-CH_2-OH + B(OH)_3$
- From carbonyl compounds:**
  - (i) By reduction of aldehydes and ketones:  $RCHO + H_2 \xrightarrow{Pd} RCH_2OH$ ;  $R_2CO \xrightarrow{NaBH_4} R_2CHOH$
  - (ii) By reduction of carboxylic acids and esters:  $RCOOH \xrightarrow{LiAlH_4} RCH_2OH$ ;  $RCOOR' \xrightarrow{LiAlH_4} RCH_2OH + R'OH$
- From Grignard reagent:**  $>C=O + R-MgX \rightarrow [C(O^-)(R)MgX] \xrightarrow{H_3O^+} >C(OH)-R$

**Preparation (continued)**

- By dehydration of alcohols:  $CH_3CH_2OH \xrightarrow[413\text{ K}]{H_2SO_4} C_2H_5OC_2H_5$
- Williamson synthesis:  $RX + R'ONa \rightarrow R-O-R' + NaX$
- Phenols:  $C_6H_5OH + NaOH \rightarrow C_6H_5ONa + H_2O$

**Preparation (continued)**

- From haloarenes:** c1ccccc1Cl + NaOH ->[300atm, 623K] c1ccccc1[O-][Na] + HCl -> c1ccccc1O
- From benzene sulphonic acid:** c1ccccc1S(=O)(=O)O + NaOH -> c1ccccc1S(=O)(=O)[O-][Na] ->[H+] c1ccccc1O
- From diazonium salts:** c1ccccc1[N+]#N + NaNO2 + HCl -> c1ccccc1[N+]#N[Cl-] ->[H2O, Warm] c1ccccc1O + N2 + HCl
- From Cumene:** CC(C)c1ccccc1 + O3 -> CC(C)(O)c1ccccc1 + CH3COCH3

**Ethers**

- (i) Physical:
  - C-O bonds are polar.
  - Boiling points comparable to those of alkanes.
  - Solubility in water as alcohols.
- (ii) Chemical:  $R-O-R + HX \rightarrow RX + R-OH$

**Commercially important alcohols**

- Methanol (Wood spirit):** Used as solvent in paint, varnishes and making formaldehyde.
- Ethanol:** Used as solvent in paint industry and preparation of a number of carbon compounds.

**Phenol reactions (continued):**

- Br<sub>2</sub> in Ethanoic acid → 2-bromophenol + 4-bromophenol
- H<sub>2</sub>SO<sub>4</sub> / HNO<sub>3</sub> → 2-nitrophenol + 4-nitrophenol
- Friedel-Crafts reaction:**
  - c1ccccc1 + CH3Cl ->[Anhyd. AlCl3, CS2] c1ccccc1C
  - c1ccccc1 + CH3COCl ->[Anhyd. AlCl3] c1ccccc1C(=O)C

Trace the Mind Map

- First Level
- Second Level
- Third Level



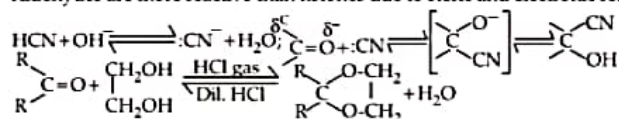
## ALDEHYDES AND KETONES:

### (i) Physical:

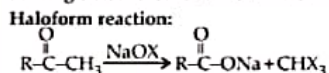
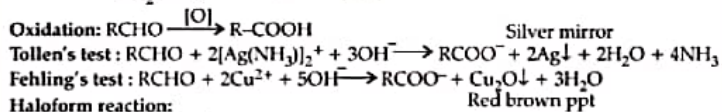
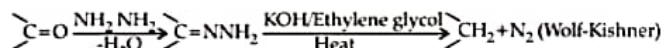
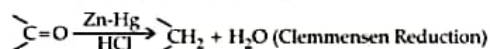
Boiling points are higher than hydrocarbons and ethers of comparable molecular masses.

### (ii) Chemical : Nucleophilic addition reactions :

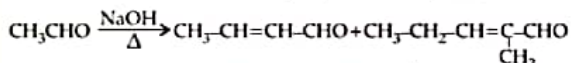
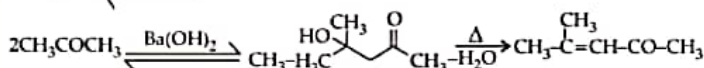
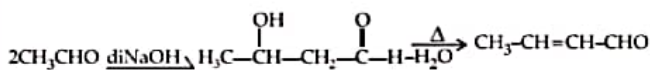
Aldehydes are more reactive than ketones due to steric and electronic reasons.



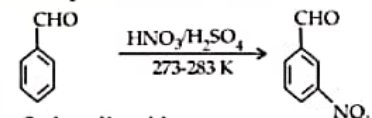
**Reduction :** (a) To alcohols – aldehydes and ketones reduce to primary and secondary alcohols respectively by  $\text{NaBH}_4$  or  $\text{LiAlH}_4$ .  
(b) To hydrocarbons –



Reactions due to  $\alpha$ -hydrogen:

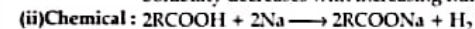


**Electrophilic substitution reaction:**

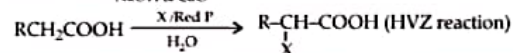
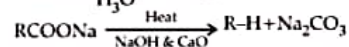
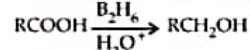
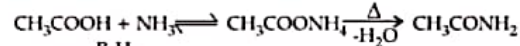
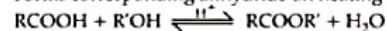


### Carboxylic acids:

(i) **Physical:** Higher boiling points than aldehydes, ketones or alcohols. Solubility decreases with increasing number of C atoms



Forms corresponding anhydride on heating with mineral acids



## Properties

## Preparation

# Aldehydes, Ketones and Carboxylic Acids

## Nomenclature and uses

### 1. Aldehydes and Ketones

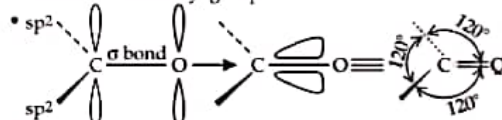
Common names :

- Replace corresponding carboxylic acids with aldehyde.
- Alkyl phenyl ketones by adding acyl group as prefix to phenone.

IUPAC names :

Replacing -e with -al and -one as required.

- Structure of Carbonyl group

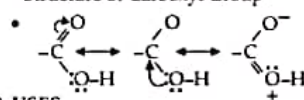


### 2. Carboxylic Acids

Common names : end with -ic

- IUPAC names : replace -e in the corresponding alkane with -oic acid.

Structure of Carboxyl Group



### 3. USES

#### (a) Carboxylic acids

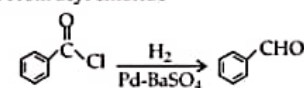
- Methanoic acid in rubber, textile, dyeing, leather industries.
- Ethanoic acid as solvent
- Higher fatty acids in manufacture of soaps and detergents.

#### (b) Aldehydes of ketones

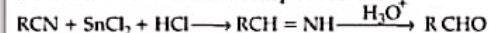
- As solvents.
- Starting materials and reagents for synthesis of products.

## ALDEHYDES:

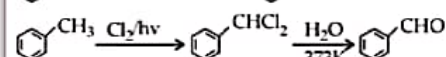
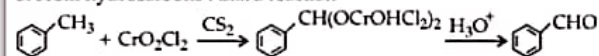
### 1. From acyl chloride



### 2. From nitriles and esters : Stephen reaction

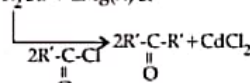
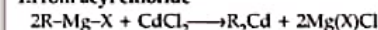


### 3. From hydrocarbons : Etard reaction

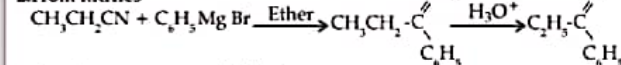


## KETONES:

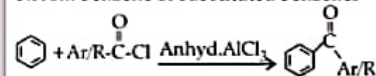
### 1. From acyl chloride



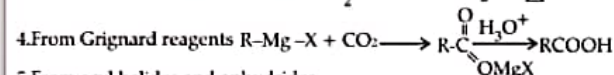
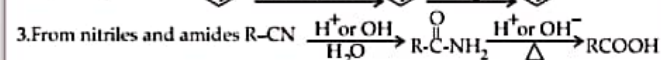
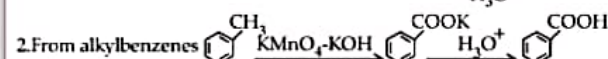
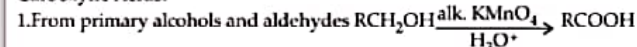
### 2. From nitriles



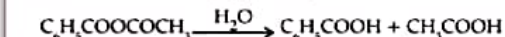
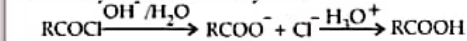
### 3. From benzene or substituted benzenes



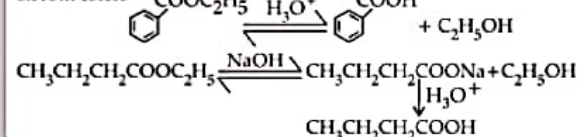
### Carboxylic Acids:



### 5. From acyl halides and anhydrides



### 6. From esters



Trace the Mind Map

• First Level • Second Level • Third Level

# अध्याय 12 – ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

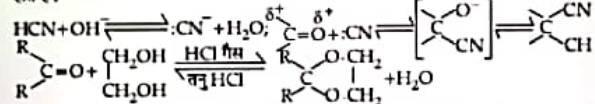
## ऐल्डिहाइड एवं कीटोन

(i) भौतिक :

क्वथनांक समतुल्य आण्विक द्रव्यमान वाले हाइड्रोकार्बन तथा ईथर से उच्च होता है।

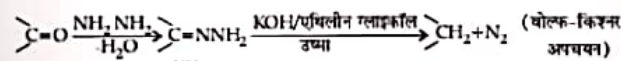
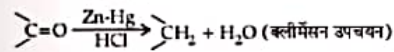
(ii) रासायनिक : नक्षिकरागी योगज अभिक्रिया :

निम्न तथा इलेक्ट्रॉनिक प्रभावों के कारण, ऐल्डिहाइड कीटोनों की अपेक्षा अधिक अभिक्रियाशील होते हैं।



अपचयन : (a) एल्कोहॉल में -NaBH<sub>4</sub> या LiAlH<sub>4</sub> द्वारा ऐल्डिहाइड व कीटोन अपचयित होकर क्रमशः प्राथमिक तथा द्वितीयक एल्कोहॉल देते हैं।

(b) हाइड्रोकार्बन में—

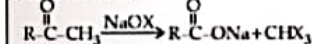


आक्सीकरण : RCHO  $\xrightarrow{[O]}$  R-COOH

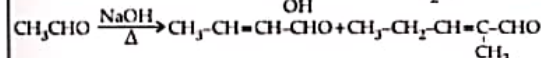
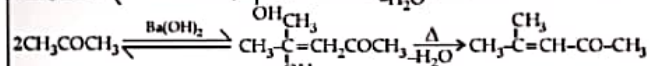
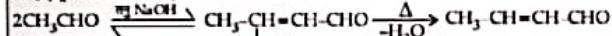
टालेन परीक्षण : RCHO + 2[Ag(NH<sub>3</sub>)<sub>2</sub>]<sup>+</sup> + 3OH<sup>-</sup> → RCOO<sup>-</sup> + 2Ag + 2H<sub>2</sub>O + 4NH<sub>3</sub>

फेलिंग परीक्षण : RCHO + 2Cu<sup>2+</sup> + 5OH<sup>-</sup> → RCOO<sup>-</sup> + Cu<sub>2</sub>O + 3H<sub>2</sub>O

हेलोफॉर्म अभिक्रिया :

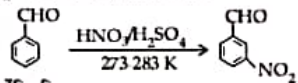


α-हाइड्रोजन के कारण होने वाली अभिक्रिया :



कैनजारो अभिक्रिया : 2HCHO + सान्द्र KOH  $\xrightarrow{\Delta}$  CH<sub>3</sub>OH + HCOOK

इलेक्ट्रॉनरागी प्रतिस्थापन अभिक्रिया :



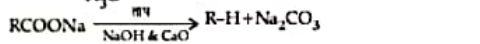
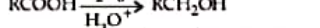
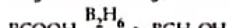
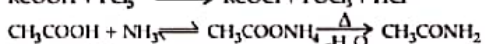
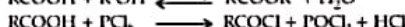
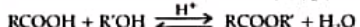
कार्बोक्सिलिक अम्ल :

(i) भौतिक : ऐल्डिहाइड, कीटोन या अल्कोहल से उच्च क्वथनांक

कार्बन परमाणुओं की संख्या बढ़ने पर विलेयता घटती है।

(ii) रासायनिक : 2RCOOH + 2Na<sup>+</sup> → 2RCOONa + H<sub>2</sub>

खनिज अम्लों के साथ गर्म करने पर संगत एनहाइड्राइड बनाते हैं।



## ऐल्डिहाइड, कीटोन एवं कार्बोक्सिलिक अम्ल

### 1. ऐल्डिहाइड एवं कीटोन सामान्य नाम :

- संगत कार्बोक्सिलिक अम्लों को ऐल्डिहाइड से विस्थापित करते हैं।
- ऐमिल समूह को फोनिल राइड के साथ पूर्वसूचक की तरह जोड़कर ऐल्किल फोनिल कीटोन लिखते हैं।

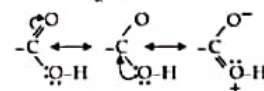
IUPAC नाम :

- आवश्यकतानुसार अल (-al) एवं ओन (-one) से ई (-e) को विस्थापित कर • कार्बोक्सिल समूह की संरचना



### 2. कार्बोक्सिलिक अम्ल

- सामान्य नाम -इक (-ic) के साथ समाप्त होता है।
- IUPAC नाम-संगत ऐल्केन के अंग्रेजी में लिखे नाम के अन्त में स्थित (-e) के स्थान पर ओइक (-oic) अनुत्पन्नक लगाया जाता है।
- कार्बोक्सिल समूह की संरचना



(a) उपयोग

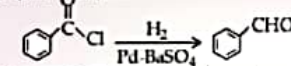
- मैथेनाइक अम्ल रबर, वस्त्र, रंगों, चमड़ा उद्योग में उपयोग में आता है।
- एथेनाइक अम्ल विलायक के रूप में
- उच्चतर वसीय अम्लों का उपयोग साबुन एवं अपमार्जकों के उत्पादन में

(b) ऐल्डिहाइड एवं कीटोन

- विलायक के रूप में
- उपादों के संश्लेषण के लिए प्रारम्भिक पदार्थ एवं अभिकर्मक के रूप में

## ऐल्डिहाइड

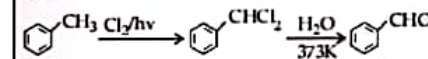
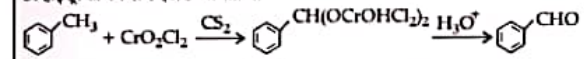
1. ऐमिल क्लोराइड से



2. नाइट्राइल एवं एस्टर से : स्टीफेन अभिक्रिया

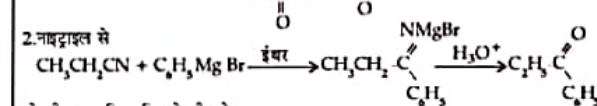
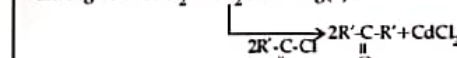
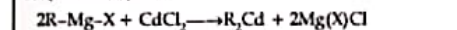


3. हाइड्रोकार्बन से : इटाई अभिक्रिया

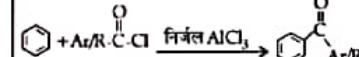


कीटोन :

1. ऐमिल क्लोराइड से :

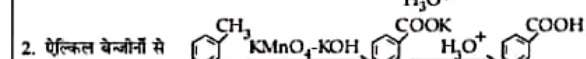


बेन्जोन या प्रतिस्थापित बेन्जोन से



कार्बोक्सिलिक अम्ल :

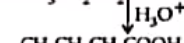
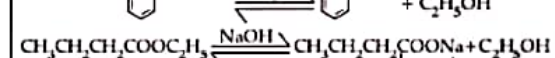
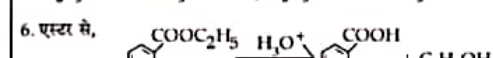
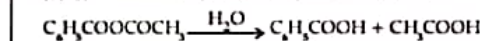
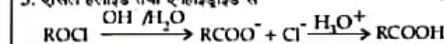
1. प्राथमिक एल्कोहॉल व ऐल्डिहाइड से  $\text{RCH}_2\text{OH} \xrightarrow[\text{H}_3\text{O}^+]{\text{शरीर KMnO}_4} \text{RCOOH}$



3. नाइट्राइल और एस्टर से  $\text{R-CN} \xrightarrow[\text{H}_2\text{O}]{\text{H}^+ \text{ या OH}^-} \text{R}-\overset{\text{O}}{\text{C}}-\text{NH}_2 \xrightarrow[\Delta]{\text{H}^+ \text{ या OH}^-} \text{RCOOH}$

4. ग्रीनार अभिकर्मक से  $\text{R-Mg-X} + \text{CO}_2 \longrightarrow \text{R}-\overset{\text{O}}{\text{C}}-\text{H} \xrightarrow[\text{OMgX}]{\text{H}_3\text{O}^+} \text{RCOOH}$

5. ऐमिल हैलाइड तथा एनहाइड्राइड से





# अध्याय 13 – ऐमीन

**(i) ऐमीनो के क्षारीय गुण**

- अम्लों से प्रतिक्रिया कर लवण बनाती है।  $R-NH_2 + HX \rightleftharpoons R-NH_3^+X^-$  (लवण)
- क्षार से अभिक्रिया कर पित्तु ऐमीन पुनर्बन्धित करती है।  
 $RNH_3^+X^- + OH^- \rightarrow RNH_2 + H_2O + X^-$
- स्थायित्व का क्रम :  $1^\circ > 2^\circ > 3^\circ$

**(ii)**  $C_2H_5-NH_2 + CH_3-C(=O)-Cl \xrightarrow{\text{क्षार}} C_2H_5-N(C_2H_5)-C(=O)-CH_3 + HCl$

**(iii) कार्बिल ऐमीन अभिक्रिया :**  $R-NH_2 + CHCl_3 + 3KOH \xrightarrow{\Delta} R-NC + 3KCl + 3H_2O$

**(iv) नाइट्रस अम्ल के साथ :**  
 $RNH_2 + HNO_2 \xrightarrow{NaNO_2 + HCl} [R-N_2Cl] \xrightarrow{H_2O} ROH + N_2 + HCl$   
 $C_6H_5NH_2 \xrightarrow[273-278K]{NaNO_2 + HCl} C_6H_5N_2Cl + NaCl + 2H_2O$

**(v)**  $C_6H_5SO_2Cl + H_2N-C_2H_5 \rightarrow C_6H_5SO_2N(C_2H_5) + HCl$

**(vi) इलेक्ट्रॉनरागी प्रतिस्थापन**

$C_6H_5NH_2 + 3Br_2 \xrightarrow{H_2O} 2,4,6\text{-tribromoaniline} + 3HBr$

$C_6H_5NH_2 \xrightarrow[288K]{HNO_3, H_2SO_4} 2,4\text{-dinitroaniline} + 2,6\text{-dinitroaniline} + 4\text{-nitroaniline}$

$C_6H_5NH_2 \xrightarrow[453-473K]{H_2SO_4} C_6H_4(SO_3H)NH_2 \rightleftharpoons C_6H_4(SO_3^-)NH_3^+$

**1.** नाइट्रोऐमीनो के अपचयन :  
 $C_6H_5NO_2 \xrightarrow{H_2/Pd} C_6H_5NH_2$  (एथेनॉल)  
 $C_6H_5NO_2 \xrightarrow[Fe + HCl]{Sn + HCl} C_6H_5NH_2$

**2.** ऐल्किल हैलाइडों का ऐमीनोअपचयन  
 $NH_3 + R-X \rightarrow R-NH_3^+X^-$

**3.** नाइट्राइलों का अपचयन  $R-C \equiv N \xrightarrow[Na(Hg)C_2H_5]{H_2/Ni} R-CH_2NH_2$

**4.** एमाइडों का अपचयन  $R-C(=O)NH_2 \xrightarrow[H_2O]{LiAlH_4} R-CH_2NH_2$

**5.** गैब्रिएल थैलामाइड संश्लेषण

**6.** हाफमैन ब्रोमाइमाइड निर्मूलक अभिक्रिया  
 $R-C(=O)NH_2 + Br_2 + 4NaOH \rightarrow R-NH_2 + Na_2CO_3 + 2NaBr + 2H_2O$

## ऐमीन

रासायनिक अभिक्रियाएँ

रासायनिक लवण (RN<sub>2</sub>X)

क्रियता :

भौतिक गुण

- निम्नतर ऐलिफैटिक ऐमीन गैस है। तीन अथवा अधिक कार्बन परमाणु वाली प्राथमिक ऐमीन द्रव तथा इससे उच्चतर ऐमीन ठोस है।
- ऐरिलऐमीन रंगहीन होती है परन्तु भंडारण करने पर रंगीन हो जाती है।
- निम्न ऐलिफैटिक ऐमीन जल में विलेय होती है जबकि उच्चतर ऐमीन अविलेय होती है।
- प्राथमिक एवं द्वितीयक ऐमीन अंतरआण्विक संघटन बनाते हैं।
- क्वथनांक : प्राथमिक > द्वितीयक > तृतीयक

ऐसे ऐटोमेटिक प्रतिस्थापित यौगिकों को बनाने में जो तोषे बेन्जीन अथवा प्रतिस्थापित बेन्जीन से नही बनते।

**विरचन :**  
 $C_6H_5NH_2 + NaNO_2 + 2HCl \xrightarrow{273-278K} C_6H_5N_2Cl + NaCl + 2H_2O$

**भौतिक गुण :** रंगीन क्रिस्टलीय ठोस, जल में विलेय, ठंडे स्थायी लेकिन गर्म करने पर जल से अभिक्रिया करता है।

**रासायनिक गुण :**

$ArN_2X$	$Cu_2Cl_2/HCl$	$ArCl + N_2$
	$Cu_2Br_2/HBr$	$ArBr + N_2$
	$CuCN/KCN$	$ArCN + N_2$

**(i) सैन्डमायर अभिक्रिया :**

$ArN_2X$	$Cu/HCl$	$ArCl + N_2 + CuX$
	$Cu/HBr$	$ArBr + N_2 + CuX$

**गाटरमान अभिक्रिया :**

(ii)  $ArN_2Cl + KI \rightarrow ArI + KCl + N_2$   
 (iii)  $ArN_2Cl + HBF_4 \rightarrow ArN_2BF_4 \xrightarrow{\Delta} ArF + BF_3 + N_2$   
 (iv)  $ArN_2Cl + H_3PO_2 + H_2O \rightarrow ArH + N_2 + H_3PO_3 + HCl$   
 (v)  $ArN_2Cl + H_2O \rightarrow ArOH + N_2 + HCl$

**(iv) युग्मन अभिक्रियाएँ**

$C_6H_5N_2Cl + H-C_6H_4-OH \rightarrow C_6H_5-N=N-C_6H_4-OH + Cl^- + H_2O$   
 नारंगी रंजक

$C_6H_5N_2Cl + H-C_6H_4-NH_2 \rightarrow C_6H_5-N=N-C_6H_4-NH_2 + Cl^- + H_2O$   
 पीला रंजक

**संरचना**

$CH_3-C-N(CH_3)_2$  (108°)

**वर्गीकरण**

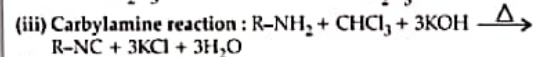
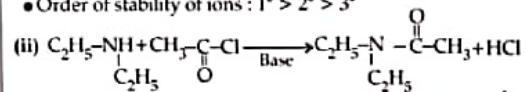
$NH_3 \rightarrow RNH_2 \rightarrow NHR \rightarrow NR_2$

**नामपर्यवृत्ति**

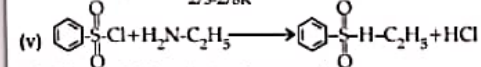
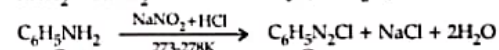
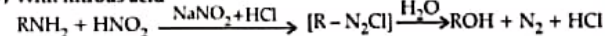
सामान्य नाम : ऐलिफैटिक ऐमीन का नामकरण ऐमीन शब्द में पूर्वतन ऐल्किल लगाकर किया जाता है। द्वितीयक तथा तृतीयक ऐमीनों में पूर्वतन डाइ अथवा ट्राइ का प्रयोग किया जाता है। IUPAC नाम : ऐरिल ऐमीन का नामकरण करते समय ऐरीन के अंग्रेजी में लिखे नाम के अंत में से 'e' अनुलून का प्रतिस्थापन ऐमीन (amine) शब्द से करते हैं।

### (i) Basic character of amines

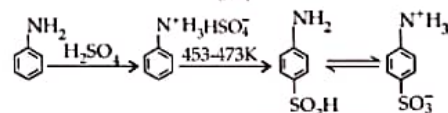
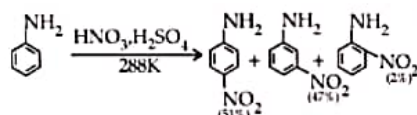
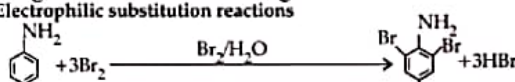
- React with acids to form salts  $R-NH_2 + HX \rightleftharpoons R-NH_3^+X^-$  (salt)
- React with base to regenerate parent amines  $RN^+H_3X^- + OH^- \rightarrow RNH_2 + H_2O + X^-$
- Order of stability of ions:  $1^\circ > 2^\circ > 3^\circ$



### (iv) With nitrous acid



### (vi) Electrophilic substitution reactions



Chemical reactions

Preparation

Amines

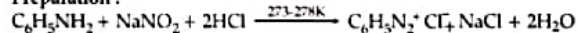
Diazonium Salts ( $RN_2X$ )

Physical properties

Importance of diazonium salts in synthesis of aromatic compounds

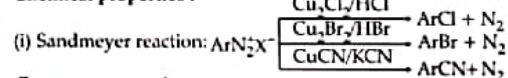
- Lower aliphatic amines are gases. Primary amines with three or more C atoms are liquid and higher ones are solid.
- Arylamines are colourless but get coloured on storage.
- Lower aliphatic amines are soluble in water, while higher are insoluble.
- Primary and secondary amines form intermolecular association.
- Boiling point: primary > secondary > tertiary

### Preparation:

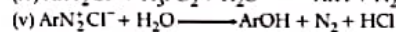
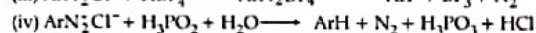
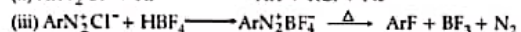
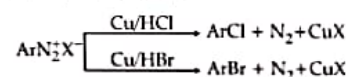


**Physical properties:** Colourless crystalline solid, soluble in water, stable in cold but reacts with water on warming.

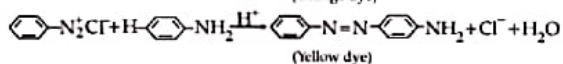
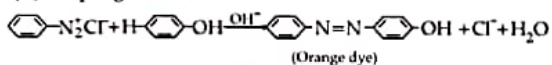
### Chemical properties:



### Gattermann reaction:

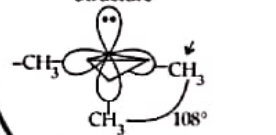


### (vi) Coupling reaction:

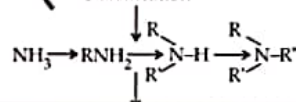


Derivatives of ammonia, obtained by replacement of one, two or all the three H-atoms by alkyl and/or aryl groups

### Structure



### Classification



### Nomenclature

**Common name:** Aliphatic amine is named by prefixing alkyl group to amine. In secondary and tertiary amines prefix di or tri is put before name of alkyl group.  
**IUPAC name:** replacement of 'e' of alkane by the word amine. Suffix 'e' of arene is replaced by amine.

In preparation of substituted aromatic compounds which cannot be prepared by direct substitution in benzene/substituted benzene.

Trace the Mind Map

• First Level • Second Level • Third Level





# अध्याय 14 – जैवअणु

**प्रोटीन**

(प्रोटीन α-एमिनो अम्लों के बहुलक होते हैं।)  
 -एमिनो अम्ल में -NH<sub>2</sub> एवं COOH समूह होते हैं।  
**वर्गीकरण :**

- NH<sub>2</sub> एवं -COOH समूह की आपेक्षिक संख्या के आधार पर
  - उदासीन : -NH<sub>2</sub> एवं -COOH समूह की समान संख्या
  - धारकोष : -NH<sub>2</sub> समूह की संख्या -COOH समूह से अधिक
  - अम्लीय : -COOH समूह की संख्या -NH<sub>2</sub> समूह से अधिक
- संरलेषण के स्थान के आधार पर
  - आवश्यक-शरीर में संरलेषित नहीं हो सकते
  - अनावश्यक-शरीर में संरलेषित होते हैं।
- आकृति के आधार पर
  - रेखदार : रेखी जैसी संरचना
  - गोलिकाकार : गोलिकाकार

संरचना : H<sub>2</sub>N - CH<sub>2</sub> -  $\begin{array}{|c|} \hline \text{CO-NH} \\ \hline \end{array}$  - CH - COOH  
 |  
 CH<sub>3</sub>  
 पेप्टाइड बंध

**प्रोटीन का विकृतीकरण :**  
 जब प्राकृत प्रोटीन में भौतिक परिवर्तन करते हैं, गोलिका (ग्लोब्यूल) खुल जाती है तथा हैलिक्स अंकुड़लित हो जाती है तथा प्रोटीन अपनी जैविक सक्रियता को खो देता है।

**कार्बोहाइड्रेट**

ध्रुवण धूर्तन पॉलिहाइड्रॉक्सी ऐलिटहाइड अथवा कीटोन अथवा यौगिक जो जलअपघटन के उपरान्त इस प्रकार की ईकाइयाँ देते हैं।  
**वर्गीकरण :**

(1) मोनोसैकेराइड : (एलिटहाइड समूह -एलडोज, कीटो समूह-कीटोज)  
 ग्लूकोस : विरथन :  
 (a) सूक्रोस से :  $C_{12}H_{22}O_{11} + H_2O \xrightarrow{H^+} C_6H_{12}O_6 + C_6H_{12}O_6$   
 सूक्रोस ग्लूकोस फ्रक्टोस

(b) स्टार्च से :  $(C_6H_{10}O_5)_n + nH_2O \xrightarrow[393K; 2-3\text{ atm}]{H^+} nC_6H_{12}O_6$

**संरचना :**

CHO  
 |  
 (CHOH)<sub>4</sub>  
 |  
 CH<sub>2</sub>OH

HIA → CH<sub>3</sub>CH<sub>2</sub>CH<sub>2</sub>CH<sub>2</sub>CH<sub>3</sub>

NH<sub>2</sub>OH →  $\begin{array}{|c|} \hline \text{CH=N-OH} \\ | \\ (\text{CHOH})_4 \\ | \\ \text{CH}_2\text{OH} \\ \hline \end{array}$

HCN →  $\begin{array}{|c|} \hline \text{CH} \\ | \\ \text{CN} \\ | \\ (\text{CHOH})_4 \\ | \\ \text{CH}_2\text{OH} \\ \hline \end{array}$

Br<sub>2</sub> जल →  $\begin{array}{|c|} \hline \text{COOH} \\ | \\ (\text{CHOH})_4 \\ | \\ \text{CH}_2\text{OH} \\ \hline \end{array}$

एसिटिक एन्हायड्रइड →  $\begin{array}{|c|} \hline \text{CHO} \quad \text{O} \\ | \quad \quad || \\ \text{CH} \quad \text{O} \quad \text{C} \quad \text{CH}_3 \\ | \quad \quad \quad | \\ \text{CH}_2 \quad \text{O} \quad \quad \text{C} \quad \text{CH}_3 \\ | \quad \quad \quad || \\ \text{COOH} \\ | \\ (\text{CHOH})_4 \\ | \\ \text{COOH} \\ \hline \end{array}$

ऑक्सीकरण →  $\begin{array}{|c|} \hline \text{COOH} \\ | \\ (\text{CHOH})_4 \\ | \\ \text{COOH} \\ \hline \end{array}$

**षट्कीय संरचना**

**षट्कीय फ्रक्टोस**

पाइरिन

**षट्कीय प्रोटीन**

**अम्ल**

**विटामिन**

ये विशिष्ट जैविक क्रियाओं के सम्पन्न होने के लिए हमारे आहार में आवश्यक वे कार्बनिक पदार्थ जिनसे जीव को इष्टतम वृद्धि एवं रखरखाव होता है।  
**वर्गीकरण :**

(i) वसा विलेय विटामिन : वसा तथा तेल में विलेय होते हैं परन्तु जल में अविलेय  
 (ii) जल में विलेय विटामिन : B वर्ग के विटामिन तथा विटामिन C जल में विलेय होते हैं।

**न्यूक्लीक अम्ल**

**न्यूक्लीक अम्ल**

**क्रोमोसोम :** नाभिक में उपस्थित वे कण जो आनुवंशिकता के लिए उत्तरदायी होते हैं। क्रोमोसोम प्रोटीन तथा न्यूक्लीक अम्ल से मिलकर बने होते हैं।  
 दो प्रकार : डीऑक्सीराइबोस न्यूक्लिक अम्ल (DNA), राइबोस न्यूक्लिक अम्ल (RNA)  
 संघटन : DNA में, शर्करा β-D-2 डिऑक्सीराइबोस होती है जबकि RNA में यह β-D राइबोस होती है। DNA में A, G, C, T होती है जबकि RNA में A, G, C, U होता है।  
**संरचना :**  
 न्यूक्लियोसाइड : क्षारक के शर्करा को '1' स्थिति पर जुड़ने से निर्मित।  
 न्यूक्लिपेटाइड : फॉस्फोरिक एसिड के शर्करा डी '5' स्थिति पर बंधने से बनता है।  
 — शर्करा — फॉस्फेट — [शर्करा—फॉस्फेट] — शर्करा —  
 क्षारक क्षारक क्षारक

RNA के प्रकार : m-RNA, r-RNA, t-RNA.  
**जैविक कार्य :**

- आनुवंशिकता का रासायनिक आधार
- जीवों के विभिन्न प्रजातियों को पहचान बनाए रखने के लिए जिम्मेदार
- न्यूक्लिक अम्ल कोशिका में प्रोटीन के संरलेषण के लिए उत्तरदायी है।

**एन्जाइम**

गोलिकाकार प्रोटीन विशेष अभिक्रिया एवं विरोध क्रियाधार के लिए विशिष्ट होते हैं।  
 क्रियाविधि : संक्रियण ऊर्जा के परिमाण को कम कर देते हैं।